RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

# सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 118 ता. 30 अक्टूबर 2024, बुधवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत ( गुजरात ) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

## पीएम मोदी ने 12,850 करोड़ रुपए की स्वास्थ्य परियोजनाओं का किया शुभारंभ

### पूरे देश में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभ और व्यापक बनाना प्रधानमंत्री का लक्ष्य

**नई दिल्ली।**

पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को धन्वंतरि जयंती और 9वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद (एआईआईए) में करीब 12,850 करोड़ रुपए की स्वास्थ्य परियोजनाओं का शुभारंभ, उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत बनाने और समाज के सभी वर्गों तक गुणवत्ता स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में अहम कदम उठाए। पीएम मोदी ने आयुष्मान भारत योजना में 70 साल और उससे ज्यादा आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा कवरेज का विस्तार करने की घोषणा की। इस नई सुविधा का लाभ सभी बुजुर्गों को मिलेगा, चाहे उनकी आय कुछ भी हो। पीएमओ के मुताबिक पीएम मोदी का लक्ष्य पूरे देश में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभ और व्यापक बनाना है।

पीएम मोदी ने देश के पहले ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद (एआईआईए) के दूसरे चरण का उद्घाटन किया। इसमें पंचकर्म अस्पताल, औषधि निर्माण के लिए आयुर्वेदिक फार्मेसी, खेल चिकित्सा इकाई, केंद्रीय पुस्तकालय, आईटी और स्टार्ट-अप इन्क्यूबेशन केंद्र, और 500 सीटों वाला एक बड़ा सभागार शामिल है। इसके अलावा, पीएम मोदी ने मध्य प्रदेश के मंदसौर, नीमच और सिवनी में तीन नए मेडिकल कॉलेजों का उद्घाटन किया, जिससे राज्य में चिकित्सा शिक्षा को प्रोत्साहन मिलेगा। पीएम मोदी ने देशभर में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए कई अहम कदम भी उठाए। उन्होंने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर, पश्चिम बंगाल के कल्याणी, बिहार के पटना, यूपी के गोरखपुर, मध्य प्रदेश के भोपाल, असम के गुवाहाटी और नई दिल्ली के एम्स में नई स्वास्थ्य सेवाओं का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने एम्स ऋषिकेश से हेलीकॉप्टर इमरजेंसी मेडिकल सेवा का भी शुभारंभ किया, जिससे आपातकाल में त्वरित चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। पीएम मोदी ने यू-विन पोर्टल लॉन्च किया, जो गर्भवती महिलाओं और शिशुओं के लिए टीकाकरण को डिजिटल बनाएगा। इस पोर्टल के जरिए से 16 साल तक के बच्चों को 12 बीमारियों से बचाने वाले टीके समय पर मिलेंगे। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य पेशेवरों और संस्थानों के लिए एक केंद्रीकृत डेटाबेस पोर्टल भी लॉन्च किया, जिससे स्वास्थ्य क्षेत्र में मानकीकरण और पारदर्शिता आएगी। पीएम मोदी ने स्वास्थ्य क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत पांच प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजनाओं का भी शुभारंभ किया। इन योजनाओं के तहत उच्च स्तर के चिकित्सा उपकरण और महत्वपूर्ण दवाओं का उत्पादन किया जाएगा, जिससे स्वास्थ्य क्षेत्र को और ज्यादा सशक्त बनाया जा सकेगा।

ये परियोजनाएं गुजरात के वापी, तेलंगाना के हैदराबाद, कर्नाटक के बेंगलुरु, आंध्र प्रदेश के काकीनाडा और हिमाचल प्रदेश के नालागढ़ में स्थित होंगी।

## पहला कॉलम

### घाटी में आतंकियों की अब खैर नहीं, सेना ने उतारे बख्तरबंद टैंक, दागे रॉकेट लॉन्चर

**जम्मू।** जम्मू के अखनूर में भारतीय सेना का एनकाउंटर जारी है। इस ऑपरेशन में कोई चूक न हो इसके लिए बीएमपी-2 बख्तरबंद गाड़ियों को भी एनकाउंटर में उतारा गया है। घाटी के पहाड़ी जंगल और दलदलिए इलाकों में छिपे आतंकियों के लिए ये गाड़ियां काल साबित होगी। इनमें बैठकर सैनिक उन आतंकियों की तलाश कर रहे हैं जिन्होंने घाटी को दहलाने की कोशिश की है। अब सेना ने आतंक को टैंक से कुचलने की तैयारी की है। जम्मू कश्मीर के अखनूर सेक्टर के एक गांव के पास वन क्षेत्र में छिपे दो आतंकवादियों को सुरक्षा बलों ने मंगलवार सुबह मार गिराया, जिससे एलओसी के पास 27 घंटे तक चली मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादियों की संख्या तीन हो गई है। बीएमपी-2 एक बख्तरबंद वाहन है। इस पर गोलियों और आईईडी का असर नहीं होता है। मेन वेपन के तौर पर इस वाहन पर 30 एमएम की ऑटो कैनन अटैच होती है। ये एक मिनट में 800 राउंड फायरिंग करती है। ऑटो कैनन के साथ ही बीएमपी-2 पर एक हैवी मशीनगन भी लगी होती है। भारतीय सेना की बीएमपी-2 की सबसे बड़ी पावर इसकी एंटी टैंक गन है, जो नाग मिसाइल से लैस है। युद्द के मैदान में बीएमपी 2 किसी मेन बैटल टैंक को भी तबाह करने में सक्षम है। बता दें बीते दिनों आतंकियों ने फायरिंग की थी। इसके बाद यह ऑपरेशन चलाया गया। बताया जा रहा है कि सेना ने रॉकेट लॉन्चर भी दागा। जिसके बाद आतंकियों की तरफ से कोई जवाब नहीं मिला है। सेना की जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस सफल अभियान में युद्ध जैसे सामान की बरामदगी भी हुई, जो क्षेत्र में सुरक्षा बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। छिपे आतंकवादियों का पता लगाने हेलीकॉप्टर और ड्रोन भी तैनात किए गए हैं।

### भारत और चीन के बीच एलएसी पर डिस्इंगेजमेंट प्रक्रिया करीब-करीब पूरी

**नई दिल्ली ।** भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख के डेमचोक और देपसांग क्षेत्रों में डिस्इंगेजमेंट प्रक्रिया को करीब-करीब पूरा कर लिया है। दोनों देशों की सेनाएं अब अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति में वापस आ गई हैं। यह जानकारी सरकारी सूत्रों ने दी है। डिस्इंगेजमेंट के अगले चरण में, दोनों पक्षों के बीच जमीन पर और मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) के माध्यम से वापसी की वेरिफिकेशन होगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ वेरिफिकेशन पहले ही शुरू हो चुका है और दोनों पक्ष गश्ती दलों की तैनाती की योजना बना रहे हैं। सरकारी सूत्रों ने बताया कि गश्ती दलों की संख्या उनके कार्य और तय दूरी पर निर्भर करेगी। छोटी दूरी के गश्ती दल में 10-15 सैनिक हो सकते है। जबकि लंबी दूरी के दल में 20-25 सैनिक शामिल हो सकते है। भारत का कहना है कि उसके सैनिकों को पारंपरिक गश्त बिंदुओं (पीपीएस) तक पहुंच मिलनी चाहिए, जहां उन्हें पहले जाने से रोका जा रहा था। इसके अलावा, अरुणाचल प्रदेश के यांग्त्से, असाफिला और सुबनसिरी नदी घाटी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में स्थिति को कम करने के लिए बातचीत चल रही है। यह एक सकारात्मक संकेत है कि दोनों देशों के बीच संवाद और बातचीत जारी है।

#### स्थायी समाधान जरुरी

हालांकि, डिस्इंगेजमेंट की प्रक्रिया तय समय से आगे बढ़ रही है, लेकिन यह सीमा पर जारी टकराव का स्थायी समाधान नहीं है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि चीन को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनाव को कम करने के लिए सहमत होना होगा और दोनों देशों को अपने 1,00,000 से अधिक सैनिकों को वापस बुलाना होगा, जो वर्तमान में अग्रिम मोर्चे पर तैनात हैं।

### ब्रिक्स ग्रुप में शामिल होना चाहता है तुर्की, राह में रोड़ा बन रहा चीन

**नई दिल्ली।** तुर्की की ब्रिक्स ग्रुप में शामिल होने की इच्छा को लेकर अटकलें और कारण सामने आ रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन ने तुर्की की ब्रिक्स सदस्यता की राह में मुस्लिम मुद्दों के कारण बाधा डाल दी है, जबकि भारत ने पाकिस्तान से जुड़े विवादों को देखते हुए तुर्की का समर्थन नहीं किया है। दिल्ली विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर ने बताया कि चीन में उइघुर मुस्लिमों की बड़ी संख्या है, जो मुख्यतः शिंजियांग प्रांत में रहते हैं। इनकी तुर्की से सांस्कृतिक और भाषाई समानता है, जो तुर्की और चीन के बीच तनाव का कारण है। तुर्की अक्सर चीन में उइघुर मुस्लिमों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार पर आपत्ति जताता रहा है, जिस कारण चीन ने तुर्की की ब्रिक्स में सदस्यता का समर्थन नहीं किया है। तुर्की ने हाल ही में ब्रिक्स में शामिल होने की इच्छा जताई थी लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन, पाकिस्तान को ब्रिक्स में शामिल करना चाहता है, जिसका भारत ने विरोध किया। पीएम मोदी ने हालिया ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कहा कि समूह में फैसले सर्वसम्मति से होने चाहिए और संस्थापक सदस्य देशों का सम्मान जरुरी है। इसे पाकिस्तान को शामिल न करने के संदर्भ में देखा गया। रूस के विश्लेषक ने कहा है कि चीन को तुर्की के उइघुर मुद्दे पर रुख से समस्या है, वहीं भारत को तुर्की की पाकिस्तान के साथ करीबी पर आपत्ति है, खासकर कश्मीर मुद्दे पर तुर्की के पाकिस्तान का समर्थन किया है। इस तरह तुर्की के ब्रिक्स में शामिल होने की राह में चीन और भारत, दोनों के अलग-अलग कारणों ने अड़चन पैदा की है।

## अयोध्या में दीपोत्सव के आठवें चरण में सरयू नदी के तट पर 28 लाख दीपक प्रज्वलित किए जाएंगे

### विशेष रूप से राम लला के मंदिर परिसर में नए प्रकार के दीयों का प्रयोग किया जाएगा, जो लंबे समय तक जलते रहेंगे

**इलाहाबाद ।**

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद होने वाले पहले दीपोत्सव का सभी को बेसब्री से इंतजार है। इस वर्ष दीपोत्सव के आठवें चरण में सरयू नदी के तट पर 28 लाख दीपक प्रज्वलित कर विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारियां जोरों पर हैं। विशेष रूप से मंदिर परिसर में एक नए प्रकार के दीयों का प्रयोग किया जाएगा, जो लंबे समय तक जलते रहेंगे और मंदिर भवन को धुंए और कालिख से सुरक्षित रखने में मदद करेंगे। इस दीपोत्सव के दौरान, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को आकर्षक फूलों से सजाने की विशेष योजना बनाई गई है। सभी प्रवेश द्वारों को तोरण से सजाया जाएगा, जिससे श्रद्धालु मनोहरी फूलों और दीपों से सजे मंदिर का दिव्य दर्शन कर सकेंगे। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए, इस बार के दीपोत्सव में विशेष मोम के दीपकों का प्रयोग किया जाएगा। इन दीयों से कॉर्बन का उत्सर्जन न्यूनतम रहेगा, जिससे मंदिर भवन के ढांचे को धुंए की कालिख से बचाया जा सकेगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का प्रयास है कि इस दीपावली में अयोध्या न केवल धर्म और आस्था का केंद्र बने, बल्कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दे। इस दीपोत्सव की भव्यता को श्रद्धालुओं के लिए अविस्मरणीय बनाने के लिए ट्रस्ट ने निर्णय लिया है कि मंदिर को 29 अक्टूबर से एक नवंबर की रात 12 बजे तक दर्शन के लिए खोला जाएगा।

श्रद्धालु गेट संख्या चार बी से आधी रात तक मंदिर की भव्य सजावट का आनंद ले सकेंगे। अयोध्या में 80 हजार दीपों से वालंटियर्स राम की पैड़ी के घाट नम्बर 10 पर प्रतीक के रूप में स्वास्तिक बना रहे हैं। इसके लिए 150 से अधिक वालंटियर्स को नियुक्त किया गया है, जो सावधानी से घाटों पर दीये बिछाने का कार्य कर रहे हैं। छोटी दीपावली के दिन, 30 अक्टूबर को, 28 लाख दीयों को तेल और बाती लगाकर प्रज्वलित किया जाएगा, जिससे एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित होगा।

## अखनूर में मुठभेड़ का दूसरा दिन, दो आतंकियों को किया ढेर,एक की तलाश

**जम्मू।**

जम्मू-कश्मीर के अखनूर में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मंगलवार मुठभेड़ का दूसरा दिन है। अब तक चल रहे अभियान में दो आतंकवादी मारे गए हैं। अब तक दो आतंकवादी मारे जा चुके हैं और जोगवान गांव में असन मंदिर के पास वन क्षेत्र में छिपे थे। उनके तीसरे सहयोगी को मार गिराने के प्रयास जारी है। सोमवार सुबह नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास चल रहे काफिले में शामिल सेना की एंबुलेंस पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया था। तीन आतंकवादियों में से एक को विशेष बलों और एनएसजी कमांडो ने अभियान शुरू होने के बाद शाम तक ढेर कर दिया था।

अखनूर सेक्टर के एक गांव में छिपे एक आतंकवादी को मंगलवार सुबह फिर से शुरू हुई मुठभेड़ में मार गिराया गया। सुरक्षा बलों ने इलाके में छिपे आतंकवादियों के खिलाफ अपना अंतिम हमला किया। जिसके बाद फिर से मुठभेड़ शुरू हो गई। अधिकारियों ने बताया कि दूसरे आतंकवादी के मारे जाने से पहले एक घंटे से अधिक समय तक दो धमाके हुए और उसके बाद भीषण गोलीबारी हुई। उन्होंने बताया कि फंसे हुए तीसरे आतंकवादी के साथ भी रुक-रुक कर गोलीबारी जारी रही। ऑपरेशन के दौरान गोली लगने से चार वर्षीय बहादुर सेना के कुत्ते फैंटम की मौत हो गई। पहली बार सेना ने अपने चार बीएमपी-2 पैदल सेना के लड़ाकू वाहनों को निगरानी के लिए लगाया है और हमले वाली जगह के आसपास घेराबंदी को मजबूत किया है। इसके अलावा छिपे हुए आतंकवादियों का पता लगाने के लिए हेलीकॉप्टर और ड्रोन भी तैनात किए गए हैं।

## जोधपुर एयरपोर्ट का नया टर्मिनल जल्द हो जाएगा तैयार, कई शहरों से जुड़ेगा

### - केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत ने धनतेरस की दीं शुभकामनाएं

**जोधपुर।**

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत मंगलवार को जोधपुर दौरे पर आए। एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने देशवासियों को धनतेरस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज भगवान धन्वंतरि का दिन है, जो आयुष और स्वास्थ्य के देवता हैं, और आज लक्ष्मी के पूजन का भी दिन है। उन्होंने सभी के उत्तम स्वास्थ्य और उनके घरों में लक्ष्मी का वास होने की प्रार्थना की। मंत्री ने कहा कि जोधपुर एयरपोर्ट का नया टर्मिनल अगले तीन-चार महीने में विकसित हो जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि जोधपुर की कनेक्टिविटी में सुधार होगा और इसे देश के कई शहरों से जोड़ा जाएगा, जैसे जयपुर, अहमदाबाद, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता, मुंबई और दिल्ली। मंत्री सिंह ने कहा कि जब नया टर्मिनल विकसित होगा, तो जोधपुर देश के अन्य बड़े शहरों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय शहरों से भी जुड़ जाएगा। इससे जोधपुर के पर्यटन क्षेत्र और यहां की हैंडीक्राफ्ट, स्टील इंडस्ट्री को लाभ होगा। मंत्री ने एयरपोर्ट को मिली बम से उड़ाने की धमकियों को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि ऐसी घटनाओं को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार इस पर गंभीरता से विचार कर रही है और कई एजेंसियां इसकी जांच कर रही हैं। उन्होंने बताया कि पिछले कई दिनों से फ्लाइट को बम से उड़ाने की लगातार धमकियां मिल रही हैं। पुलिस और प्रशासन के साथ कई एजेंसियां एयरपोर्ट पर कार्रवाई कर रही हैं। जांच में वहां कुछ नहीं मिलता, लेकिन सरकार सजग है और इस मामले में पूरी गंभीरता से जांच चल रही है।

## केंद्र की मोदी सरकार ने दस सालों में आम लोगों की उपेक्षा की

### -वायनाड से कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी ने जनसभा में साधा निशाना

**वायनाड।**

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने मंगलवार को वायनाड के एंगपुझा में एक जनसभा में स्थानीय लोगों की तारीफ की और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। प्रियंका ने केंद्र की मोदी सरकार की नीतियों को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों में आम लोगों की उपेक्षा की गई है। मोदी की नीतियों का लाभ केवल बड़े कारोबारी मित्रों को हो रहा है, जबकि आम नागरिकों को कोई राहत नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को एमएसपी का वादा किया था, लेकिन उन्हें नहीं मिला। उन्होंने आदिवासी समुदायों पर हो रहे हमलों की ओर भी इशारा करते हुए कहा कि उनकी जमीनें बड़े व्यापारियों को दी जा रही हैं। बेरोजगारी की समस्या भी चिंता का विषय है और वादों के बावजूद मेडिकल कॉलेजों का निर्माण नहीं हो पाया है। प्रियंका ने जीएसटी व्यवस्था को छोटे व्यवसायों के लिए नुकसानदायक बताया है।

रैली में प्रियंका ने कहा कि वह वायनाड के इतिहास को अच्छी जानती हैं। यहां के लोग हमेशा सही के साथ खड़े रहे हैं। आपका इतिहास समृद्ध है, आपने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है और भाई-बहनों की तरह सद्भाव में रहते आए हैं। उन्होंने कहा कि भारत की स्वतंत्रता प्रेम, सत्य, समानता, न्याय और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों पर आधारित थी, जो संविधान की नींव हैं। प्रियंका ने कहा कि दशकों बाद भी हमारी लड़ाई इन मूल्यों को बनाए रखने के लिए जारी है। एक दिन पहले मीनांगडी की चुनावी रैली में प्रियंका ने कहा था कि केंद्र में बीजेपी की सरकार है, जहां भय, अविश्वास और क्रोध कई समुदायों के बीच फैला हुआ है। आपने अल्पसंख्यकों पर हमले देखे हैं, मणिपुर में क्या हुआ? यह सरकार जानबूझकर नफरत और गुस्से को फैलाने का काम कर रही है। हमारे संविधान के मूल्यों को तोड़ा जा रहा है। इसलिए आप को इन सब बातों को ध्यान रखते हुए अपनी आवाज बुलंद करनी होगी।

## केरल: मंदिर में चल रहा था उत्सव, तभी हुआ बड़ा धमाका

### 150 से ज्यादा झुलसे, 8 की हालत गंभीर

**तिरुअनंतपुरम।**

केरल के कासरगोड़ के करीब स्थित नीलस्वरम स्थित वीरारकावु मंदिर में उत्सव के दौरान पटाखों में आग लग गई। इस हादसे में 150 से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिनमें से आठ की स्थिति गंभीर है। यह घटना सोमवार देर रात केरल के कासरगोड़ के करीब स्थित नीलस्वरम स्थित वीरारकावु मंदिर के पास हुई है।

घायलों को कासरगोड़, कन्नूर और मेंगलुरु के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घटना उस वक्त हुई जब एक मिसफायर पटाखा, स्टोर किए गए पटाखों वाली वाली बिल्डिंग पर जा गिरा। नतीजा यह हुआ है कि वहां पर तेजी से धमाके होने लगे। इससे आसपास के लोग घायल हो गए, जिसमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल थीं। घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन के लोग, जिला कलेक्टर और पुलिस के मुख्य अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। अधिकारी घटना की असली वजह पता लगाने में जुटे हैं। वहीं, स्थानीय समुदाय के लोगों ने घायलों और उनके परिवारों की मदद की। बताया जाता है कि वीरारकावु मंदिर के पास पटाखों को जमा करके रखा गया था। शक है कि इस स्टोरेज में आग लग जाने के चलते ही यह हादसा हुआ है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक कान्हागढ़ जिला अस्पताल में भर्ती पांच लोगों की हालत बहुत ज्यादा गंभीर है। जिला अस्पताल में कुल 33 लोगों को भर्ती कराया गया है। इसके अलावा 19 लोगों को ऐशल हॉस्पिटल कान्हागढ़, जबकि 12 लोगों को अरिमाला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में से 40 लोगों को संजीवनी अस्पताल, 11 को नीलेश्वर तालुक अस्पताल और पांच अन्य को एस्टर मिम्स कन्नूर ले जाया गया है। जिला प्रशासन के मुताबिक कुछ अन्य घायलों को मेंगलुरु और मेडिकल कॉलेज परियरम में भर्ती कराया गया है।

## 7 यूट्यूबर्स के खिलाफ अदालत पहुंचे बाल संत अभिनव अरोड़ा

मथुरा । 10 वर्षीय बाल संत अभिनव अरोड़ा और उनकी मां ने मथुरा कोर्ट में 7 यूट्यूबर्स के खिलाफ आपराधिक याचिका दायर की है। याचिका में दावा किया गया हैं कि ये यूट्यूबर्स अभिनव की धार्मिक आस्थाओं का मजाक उड़ाने और उन्हें बदनाम करने की कोशिश में हैं। याचिका के अनुसार, ट्रोलिंग और अपमान के कारण न केवल अभिनव को बल्कि उनके परिवार को भी मानसिक पीड़ा हुई है। अभिनव की मां का आरोप है कि यूट्यूबर्स ने उनकी निजता का उल्लंघन कर बेटे की धार्मिक भक्ति को फर्जी बताकर उसकी छवि को नुकसान पहुंचाया है। मामले में कहा गया है कि इन यूट्यूबर्स की सामग्री न केवल हिंदू धर्म का विरोध करती है, बल्कि धार्मिक सद्भावना को भी ठेस पहुंचाती है, जिससे भावनात्मक और मानसिक कष्ट बढ़ा है। अभिनव, जो धार्मिक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर लोकप्रिय हुए हैं, ने कहा कि वह कचहरी तक यह विवाद नहीं लाना चाहते थे, लेकिन ट्रोलिंग और धमकियों ने उन्हें मजबूर कर दिया। अभिनव के परिवार ने शिकायत में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, आपराधिक मानहानि, धमकी और षड्यंत्र जैसे आरोपों के लिए एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

## बैंक खाता किराए पर दिया, तो होगी गिरफ्तारी

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्रालय ने साइबर क्राइम और अवैध भुगतान को रोकने के लिए नया अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में कहा गया है, जो भी व्यक्ति अपना बैंक खाता किराए पर देगा। उसकी गिरफ्तारी निश्चित रूप से की जाएगी। गुजरात और अन्य प्रदेशों में छापेमारी के दौरान कई ऐसे मामले सामने आए हैं। जिसमें अपराधियों ने बैंक खाता किराए पर लेकर साइबर के माध्यम से ऑनलाइन ठगी की है। वही आयकर कानून का भी उल्लंघन करते हुए बड़े पैमाने पर किराए के बैंक खातों में करोड़ों रुपए का लेनदेन किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जो सूचना जारी की है। उसके अनुसार बैंक खाता, या कंपनी का पंजीकरण प्रमाण पत्र किसी को भी किराए पर ना दें, नाही उसे बेचें, यदि ऐसा हुआ, तो जिसके नाम पर खाता या फर्म होगी। उसे गिरफ्तार किया जाएगा। उस पर भी आपराधिक मामला चलाया जाएगा।

## घाटी में आतंकियों की अब खैर नहीं, सेना ने उतारे बख्तरबंद टैंक, दागे रॉकेट लॉन्चर

जम्मू। जम्मू के अखनूर में भारतीय सेना का एनकाउंटर जारी है। इस ऑपरेशन में कोई चूक न हो इसके लिए बीएमपी-2 बख्तरबंद गाड़ियों को भी एनकाउंटर में उतारा गया है। घाटी के पहाड़ी जंगल और दलदलिए इलाकों में छिपे आतंकियों के लिए ये गाड़ियां काल साबित होगी। इनमें बैठकर सैनिक उन आतंकियों की तलाश कर रहे हैं जिन्होंने घाटी को दहलाने की कोशिश की है। अब सेना ने आतंक को टैंक से कुचलने की तैयारी की है। जम्मू कश्मीर के अखनूर सेक्टर के एक गांव के पास वन क्षेत्र में छिपे दो आतंकवादियों को सुरक्षा बलों ने मंगलवार सुबह मार गिराया, जिससे एलओसी के पास 27 घंटे तक चली मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादियों की संख्या तीन हो गई है। बीएमपी-2 एक बख्तरबंद वाहन है। इस पर गोलियों और आईईडी का असर नहीं होता है। मेन वेपन के तौर पर इस वाहन पर 30 एमएम की ऑटो कैनन अटैच होती है। ये एक मिनट में 800 राउंड फायरिंग करती है। ऑटो कैनन के साथ ही बीएमपी-2 पर एक हैवी मशीनगन भी लगी होती है। भारतीय सेना की बीएमपी-2 की सबसे बड़ी पावर इसकी एंटी टैंक गन है, जो नाग मिसाइल से लैस है। युद्ध के मैदान में बीएमपी 2 किसी मेन बैटल टैंक को भी तबाह करने में सक्षम है। बता दें बीते दिनों आतंकियों ने फायरिंग की थी। इसके बाद यह ऑपरेशन चलाया गया। बताया जा रहा है कि सेना ने रॉकेट लॉन्चर भी दागा। जिसके बाद आतंकियों की तरफ से कोई जवाब नहीं मिला है। सेना की जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस सफल अभियान में युद्ध जैसे सामान की बरामदगी भी हुई, जो क्षेत्र में सुरक्षा बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। छिपे आतंकवादियों का पता लगाने हेलीकॉप्टर और ड्रोन भी तैनात किए गए हैं।

## जम्मू-कश्मीर : उधमपुर में मिनी बस खाई में गिरी, नर्सिंग छात्र समेत 30 घायल

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में एक निजी मिनी बस सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई, जिससे कम से कम 30 यात्री घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, घायलों में ज्यादातर नर्सिंग कॉलेज के छात्र थे। घटना दोपहर करीब 12.30 बजे हुई जब मिनी बस सालमारी से उधमपुर की ओर जा रही थी। गांव फरमा के पास बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। अधिकारियों ने तुरंत बचाव अभियान चलाया और 30 यात्रियों को इलाज के लिए उधमपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से तीन को गंभीर घोषित किया गया है और उन्हें विशेष उपचार के लिए जम्मू भेजे जाने की प्रक्रिया चल रही है। उधमपुर की उपायुक्त सलोनी राय ने स्थिति का जायजा लेने के लिए अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि लगभग 30 से 35 लोग मिनीबस में यात्रा कर रहे थे, प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ब्रेक फेल होने के बाद यह खाई में गिर गई। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू की जाएगी।

## फगवाड़ा के निकट गुरुद्वारा टिकसा साहिब में लगी आग, भारी नुकसान का अनुमान

फगवाड़ा। फगवाड़ा के निकट सपरोड़ गांव में स्थित गुरुद्वारा टिकसा साहिब की इमारत में भीषण आग लग गई, जिससे इमारत और उसके आसपास के इलाकों को भारी नुकसान पहुंचा। सुबह-सुबह लगी आग तेजी से फैल गई, जिससे परिसर के कई हिस्से जलकर खाक हो गए और काफी नुकसान हुआ। स्थानीय निवासियों ने बताया कि उन्होंने गुरुद्वारा परिसर में आग की लपटें तेजी से फैलती देखीं। आग में फर्नीचर और अन्य कीमती सामान जलकर खाक हो गए।

# गृहमंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय एकता दिवस के तहत एकता दौड़ को दिखाई हरी झंडी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में आयोजित एकता दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एकता दौड़ का आयोजन सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती यानी 31 अक्टूबर को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय एकता दिवस के तहत किया गया।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2015 में सरदार पटेल जी की याद में देश की एकता व अखंडता के लिए पूरे देश को संकल्पित करने हेतु 'एकता दौड़' का आयोजन शुरू किया। उन्होंने कहा कि तब से आज तक पूरा देश एकता दौड़ से न सिर्फ पूरे देश की एकता और अखंडता के लिए संकल्प लेता है बल्कि अपने आप को भारत माता की सेवा में फिर से समर्पित भी करता है। श्री शाह ने कहा कि आज 'एकता दौड़' देश की एकता के संकल्प के साथ-साथ विकसित भारत का संकल्प भी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने 2047 तक एक पूर्ण विकसित भारत के निर्माण का संकल्प सभी देशवासियों के सामने रखा है, जो हर क्षेत्र में पूरी दुनिया में सर्वप्रथम हो।

अमित शाह ने कहा कि आज भारत एक फलता-फूलता, विकसित होता, मजबूत राष्ट्र बनकर दुनिया के सामने खड़ा है। उन्होंने कहा कि इतिहास की ओर मुड़कर देखें तो आज़ादी के बाद 550 से ज़्यादा रियासतों को एकजुट कर वर्तमान भारत का निर्माण सरदार साहब की दृढ़ इच्छाशक्ति और त्वरित निर्णय से संभव हुआ। उन्होंने कहा कि वे सरदार पटेल ही थे जिनकी दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण आज भारत एकजुट होकर दुनिया के सामने मज़बूती के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि आज जब भारत दुनिया के सामने मज़बूती के साथ सर्वप्रथम बनने के रास्ते पर खड़ा है, इसकी नींव डालने का काम सरदार पटेल ने किया था।

गृहमंत्री ने कहा कि ये दुर्भाग्य की बात है कि सालों तक सरदार वल्लभभाई पटेल को भुलाने का काम किया गया और उन्हें भारत रत्न के उचित सम्मान से भी वंचित रखा गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने गुजरात से भी वंचित रखा गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने गुजरात के केवड़िया में दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा बनाकर सरदार पटेल की याद को चिरंजीव करने का काम किया है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हर क्षेत्र में सरदार वल्लभभाई पटेल के दृष्टिकोण, विचार और संदेश को मूर्त रूप देने का काम किया है।

इस अवसर पर केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री मनोहर लाल खट्टर, डॉ. मनसुख मंडाविया, केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और दिल्ली के उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

## सीट बंटवारे को लेकर राउत की कांग्रेस को चेतावनी, पटोले की नसीहत

मुंबई । महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन का आखिरी दिन महाविकास अघाड़ी (एमवीए) में सीट बंटवारे को लेकर तानातनी चल रही है। कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के बीच तनाव इस कदर बढ़ गया है कि सोलापुर साउथ सीट को लेकर दोनों दलों में टकराव पैदा हो गया है। कांग्रेस ने दिलीप माने को उम्मीदवार बनाया है, जबकि उद्धव सेना पहले ही अमर पाटिल को उम्मीदवार बना चुकी है। इस पर प्रतिक्रिया देकर शिवसेना नेता संजय राउत ने चेतावनी देकर कहा, सोलापुर में कांग्रेस का उम्मीदवार शायद टाइपिंग की गलती हो, लेकिन ऐसी गलती हम भी कर सकते हैं। राउत ने कांग्रेस को सख्त चेतावनी देकर कहा कि अगर कांग्रेस ने सोलापुर साउथ से अपना प्रत्याशी वापस नहीं लिया, तब वे भी अन्य सीटों पर कांग्रेस के खिलाफ उम्मीदवार उतार सकते हैं। राउत का कहना है कि महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस लगातार खुद को वरिष्ठ सहयोगी मान रही है, जबकि उद्धव सेना खुद को कमजोर नहीं मानती। वहीं, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने राउत की चेतावनी को तवज्जो नहीं देकर कहा कि यह निर्णय पार्टी हाईकमान का है। उन्होंने राउत को नसीहत दी कि उन्हें गठबंधन सहयोगियों पर निशाना साधने के बजाय सत्ताधारी दलों पर फोकस करना चाहिए।

## आरजी कर मेडिकल कॉलेज- जूनियर डॉक्टर के दो संगठन एक-दूसरे पर लगा रहे आरोप-प्रत्यारोप

**कोलकाता (एजेंसी)।** कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की जूनियर डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मामले को लेकर जूनियर डॉक्टरों का चल रहा विरोध प्रदर्शन अब गंभीर होता जा रहा है। दो प्रतिद्वंद्वी संगठन एक-दूसरे का विरोध करने लगे हैं। बलात्कार और हत्या के विरोध का नेतृत्व करने वाले पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट (डब्ल्यूबीजेडीएफ) ने नए पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (डब्ल्यूबीजेडीए) पर उन जूनियर डॉक्टरों का एक समूह होने का आरोप लगाया है, जिन पर मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों के परिसर में धमकी संस्कृति का आरोप लगाया गया था।

उन पर आरोप है कि वे आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष जैसे चिकित्सा जगत के प्रभावशाली लोगों का समर्थन मिलाता रहा हैं। दूसरी ओर, कथित तौर पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का समर्थन प्राप्त डब्ल्यूबीजेडीए के प्रतिनिधियों ने डब्ल्यूबीजेडीएफ सदस्यों पर बलात्कार और हत्या के मुद्दों का अपने स्वार्थ के लिए दोहन करने का आरोप लगाया है, जिसमें विरोध प्रदर्शन के नाम पर जनता से धन जुटाना भी शामिल है।

हालांकि, डब्ल्यूबीजेडीएफ ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। दावा किया है कि नए संघ का गठन सत्तारूढ़ पार्टी के सक्रिय समर्थन से हुआ है, ताकि आंदोलन को बदनाम कर सके। डब्ल्यूबीजेडीएफ के प्रतिनिधि ने कहा, हमने व्यापक जनहित को ध्यान में रखते हुए और मृतक जूनियर डॉक्टर के माता-पिता के अनुरोध पर अपना आमरण अनशन वापस ले लिया है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम इस मुद्दे पर अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन वापस ले रहे है। बल्कि हम अपने विरोध का दायरा महानगरों, शहरी, उपनगरीय और जिला मुख्यालयों से आगे बढ़ाकर गांवों तक लेकर जाएंगे।

# 2025 में शुरु होगी जनगणना, फिर शुरु होगा लोकसभा सीटों का परिसीमन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्र की मोदी सरकार ने चार साल की देरी के बाद 2025 में जनगणना शुरू करने जा रही है। सरकार के सूत्रों ने सोमवार को इसकी जानकारी दी है। जनगणना की यह प्रक्रिया 2025 में शुरू होकर 2026 तक जारी रहने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि जनगणना के बाद लोकसभा सीटों का परिसीमन शुरू होगा और यह काम 2028 तक पूरा कर लिया जाएगा। यह घटनाक्रम कई विपक्षी दलों द्वारा जाति जनगणना की मांग के बीच हुआ है।

भारत में पिछली बार जनगणना 2011 में हुई थी। अगला चरण 2021 में शुरू होना था, लेकिन कोरोना माहमारी के कारण इसमें देरी हो गई। तब से, इस बारे में कई सवाल पूछे जा रहे हैं कि अगली जनगणना के आंकड़े कब प्रकाशित किए जाएंगे। मोदी सरकार जनगणना रिकॉर्ड करने की तैयारी में जुटी हुई है। कुछ राजनीतिक दलों द्वारा जाति जनगणना की मांग के बावजूद, सूत्र बता रहे हैं कि फिलहाल मोदी सरकार की जाति जनगणना की अनुमति देने की कोई योजना नहीं है।

दरअसल, मौजूदा फॉर्म में, जहां सर्वेक्षण करने वाला हर व्यक्ति अपना नाम, विवरण, पारिवारिक विवरण आदि प्रकाशित करता है, वहीं उसके पास धर्म का विवरण दर्ज करने का विकल्प होता है। एक और कॉलम है जो उन्हें अनुसूचित जनजाति या अनुसूचित जाति (एससी/एसटी) के रूप में पहचानता है। फॉर्म में एकमात्र अतिरिक्त बात यह होगी कि सर्वेक्षण करने वाले लोगों को अपने धर्म के तहत अपने संप्रदाय का उल्लेख करने की अनुमति होगी।

कांग्रेस, आरजेडी और कई अन्य पार्टियां जाति जनगणना की मांग कर रही हैं। बिहार में जेडीयू जैसे बीजेपी के गठबंधन सहयोगियों ने भी इस बारे में बात की है, लेकिन मोदी सरकार पर कोई दबाव नहीं डाला है। केंद्रीय स्तर पर, अंतिम निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी कैबिनेट पर छोड़ दिया गया है। बीजेपी की दूसरी सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी भी मानती है कि जनगणना होनी चाहिए, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू आम जनता, खासकर युवा आबादी के लाभ के लिए 'कौशल जनगणना' की सक्रिय रूप से वकालत कर रहे हैं। आरएसएस भी जाति जनगणना के पक्ष में है, बशर्ते कि यह किसी पार्टी द्वारा राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए न किया जा रहा हो।

## नीतीश कुमार के सामने बोल नहीं पाते थे... तेजस्वी के रोजगार वाले दावे पर भड़के ललन सिंह

**पटना (एजेंसी)।** केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने मंगलवार को राजद नेता तेजस्वी यादव के इस दावे को खारिज कर दिया कि बिहार के उपमुख्यमंत्री के तौर पर उनके कार्यकाल में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन हुआ। जेडी(यू) के वरिष्ठ नेता ने यादव को चुनौती दी कि वे अपने माता-पिता लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के 15 साल के कार्यकाल के दौरान रोजगार सृजन के आंकड़े लेकर आएं। ललन सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संयुक्त प्रयासों की वजह से बिहार में तेजी से आर्थिक विकास हो रहा है। इससे रोजगार सृजन को भी बढ़ावा मिला है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ लोग बोलने का काम करते हैं कुछ लोग करने का तो पीएम मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रोजगार सृजन की दिशा में काम कर रहे हैं। बिहार में आपने देखा कि 2 लाख से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति हुई। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बोलते रहते हैं वो याद नहीं करते कि उनके माता-पिता 15 साल बिहार में रहे उन्हें बताना चाहिए कि उनके माता-पिता के शासनकाल में कितने युवा को रोजगार मिला? तेजस्वी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वो बोलने के लायक नहीं हैं। जिस मुख्यमंत्री के नेतृत्व में वो थे तो उनके सामने तो उनकी बोलने की हिम्मत नहीं होती थी।

ललन सिंह ने कहा कि बिहार में डबल इंजन सरकार की उपलब्धियां इसी अवधि के लिए पिछली सरकार की तुलना में दोगुनी से भी अधिक हैं। हम ठोस कार्रवाई में विश्वास करते हैं, खोखली बातों में नहीं। बिहार के पूर्व मंत्री, जो मुख्यमंत्री के करीबी सहयोगी हैं, उस समय भड़क उठे जब उनका ध्यान यादव के बार-बार के इस दावे की ओर दिलाया गया कि उनकी पहल के कारण ही लाखों लोगों को सरकारी विभागों में भर्ती मिली।

# देश में 'एकाधिकार बचाओ सिंडिकेट' सक्रिय: राहुल गांधी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से जुड़े मामले का हवाला देते हुए मंगलवार को दावा किया कि देश में 'एकाधिकार बचाओ सिंडिकेट' सक्रिय है जिसके मूल में अदाणी समूह, प्रमुख नियामक संस्थाएं तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच की 'खतरनाक सांठगांठ' है।

कांग्रेस ने एक बार फिर सेबी प्रमुख माधवी बुच पर हितों के टकराव का आरोप लगाया है। मुख्य विपक्षी दल का आरोप है कि बुच ने अपनी संपत्ति 'इंडियाबुल्स' समूह से जुड़े एक व्यक्ति से संबंधित कंपनी को किराये पर दे दी, जबकि यह कंपनी सेबी की जांच के दायरे में थी।

आरोपों पर बुच या अडानी समूह की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। कांग्रेस की तरफ से पहले लगाए गए आरोपों को बुच और अदाणी समूह ने खारिज किया था। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने संवाददाताओं से बातचीत में यह आरोप भी लगाया कि बुच 'प्रेडिबल हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड' से भी जुड़ी हुई हैं और इसमें उनकी इक्विटी है तथा सेबी की पूर्णकालिक सदस्य बनने के बाद भी उन्होंने कंपनी में शेयर रखना जारी रखा है।

खेड़ा का दावा है कि प्रेडिबल हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड में निवेश करने वाली कंपनी 'जेसेसा इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड' का नाम 'पैराडाइज पेपर्स' मामले में आया था। राहुल गांधी ने 'यूट्यूब' पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा, ''भारत के संस्थागत ढांचे में 'एकाधिकार बचाओ सिंडिकेट' उदय के साथ खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। इस सिंडिकेट के मूल में अदाणी, प्रमुख नियामक संस्थाओं और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा के बीच एक खतरनाक सांठगांठ है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि अदाणी डिफेंस वेबसाइट से पता चलता है कि कैसे कंपनी केवल विदेश निर्मित हथियारों की रीब्रांडिंग करके मुनाफा कमाती है, जबकि युवा सैनिकों और उनके परिवारों के प्रशिक्षण, पेंशन और कल्याण के लिए जरूरी राशि को 'अग्निपथ' जैसी योजनाओं के माध्यम से हटा दिया जाता है। गांधी ने दावा किया, ''यह विश्वासघात राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करता है और हमारे युवाओं के भविष्य को खतरे में डालता है।''

## मायावती ने बीजेपी-कांग्रेस पर लगाया आरक्षण खत्म करने की साजिश का आरोप

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री सुप्रीमो मायावती ने भाजपा और कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि यह पार्टियां दलितों और पिछड़ों को मिलने वाले आरक्षण कोटे में बंटवारा करने वाली एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं। इन दलों के कारण दलित समाज और संविधान को चोट पहुंचाने का खतरा घटा नहीं बल्कि बढ़ा है। सोशल साइट्स एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा है कि आरक्षण को खत्म करने के लिए कोटे में बंटवारा किया जा रहा है। बसपा सुप्रीमो ने 29 अक्टूबर मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखते हुए कहा है कि देश के करोड़ों शोषित व उपेक्षित दलितों के आरक्षण विरोधी और उनकी आपसी एकता की दुश्मन जातिवादी पार्टियों द्वारा आरक्षण में कोटे के बंटवारा किया जा रहा है। हरियाणा की भाजपा सरकार के बाद अब तेलंगाना व कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा भी दलितों को बांटने के लिए उनके आरक्षण के भीतर आरक्षण की नई व्यवस्था को लागू किया गया है।

# सरकार की बढ़ी चिंता कहा- एआई के चलते नौकरियां खतरे में हैं या नहीं इस पर नजर रखे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्र सरकार ने चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस बहुत तेजी से नौकरियां खत्म कर रहा है। इस तरह के कयास लगाए जा रहे हैं इसमें कितनी सच्चाई इस पर सख्त निगरानी रखते हुए रिपोर्ट तैयार करें। वित्त मंत्रालय ने अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा कि उपभोक्ता धारणा में नरमी और सामान्य से अधिक बारिश के कारण लोगों की सीमित आवाजाही के बीच शहरी मांग में आई नरमी पर नजर रखने के साथ ही यह भी कहा है कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के कारण कामगारों की नौकरियां खत्म होने से संबंधित कयास पर आधारित रिपोर्टों पर भी निगाह रखने की जरूरत है।

कुछ खाद्य वस्तुओं से प्रभावित होने वाली शीर्ष मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था में मौजूद मांग का आकलन करने का सबसे सटीक पैमाना नहीं हो सकती है।' वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में मुद्रास्फीति 4.6 फीसदी रही जो एक साल पहले की समान अवधि में 5.5 फीसदी रही थी। जहां तक शहरी मांग का सवाल है तो मासिक समीक्षा में कहा गया है कि त्योहारी सीजन और उपभोक्ता धारणा में सुधार होने से आगे शहरी इलाकों में मांग को बढ़ावा मिल सकता है मगर शुरुआती संकेत अधिक उत्साहजनक नहीं थे। मगर वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि रोजमर्रा के उपभोग की वस्तुओं की बिक्री बढ़ने और तिपहिया एवं ट्रैक्टरों की बिक्री में तेजी से पता चलता है कि ग्रामीण मांग में सुधार हो रहा है। समीक्षा में कहा गया है कि भू-राजनीतिक संघर्ष बढ़ने, भू-आर्थिक बिखराव और कुछ वित्तीय बाजारों में अधिक मूल्यांकन के कारण परिसंपत्ति पर कुछ नकारात्मक प्रभाव दिख सकते हैं। इससे परिवारों की धारणा प्रभावित हो सकती है और भारत में कंज्यूमर ड्यूरेबल पर खर्च करने का उनका इरादा बदल सकता है। सितंबर महीने की रिपोर्ट में कहा गया है कि आगे चलकर खाद्यान्न के पर्याप्त बफर स्टॉक और खरीफ फसल से जबरदस्त पैदावार की उम्मीद से कीमतों पर दबाव कम होने के आसार हैं। समीक्षा में कहा गया है कि कुछ सब्जियों की कीमतों में तेज वृद्धि को छोड़ दिया जाए तो मुद्रास्फीति काफी हद तक नियंत्रण में है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मुद्रास्फीति को लेकर परिवारों और कारोबारियों की उम्मीदों में नरमी दिख रही है। भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के सर्वेक्षणों से भी ऐसा ही संकेत मिलता है। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि चालू वित्त में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.5 से 7 फीसदी के दायरे में रहने का अनुमान है। इसे मुख्य तौर पर बाहरी क्षेत्र में स्थिरता, सकारात्मक कृषि परिदृश्य, त्योहारी सीजन से मांग में दम और सरकारी खर्च में वृद्धि के कारण निवेश गतिविधियों में तेजी से बल मिलेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि विनिर्माण की रफ्तार में कुछ नरमी दिखी है जबकि विनिर्माण पर आरबीआई के सर्वेक्षण में आगामी तिमाहियों के दौरान कारोबारी अपेक्षाओं में सुधार होने के संकेत दिए गए हैं। विनिर्माण के लिए पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स घटकर सितंबर में 56.5 रह गया था।

## संक्षिप्त समाचार

### डबल चुनौती से परेशान चीन : तेजी से बढ़ रही बुजुर्गों की जनसंख्या, गिरती जन्म दर बनी बड़ा संकट

**बीजिंग, एजेंसी।** वर्तमान में चीन दोहरी चुनौती का सामना कर रहा है। चीन की जनसंख्यात्मक संकट के कारण हजारों किंडरगार्टन बंद हो गए हैं, क्योंकि बच्चों का नामांकन तेजी से गिर रहा है। सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में किंडरगार्टनों की संख्या 14,808 घटकर 274,400 हो गई है। पिछले तीन वर्षों से किंडरगार्टन में बच्चों की संख्या लगातार कम हो रही है, जो पिछले साल 5.35 मिलियन या 11.55 प्रतिशत घटकर 40.9 मिलियन पहुंच गई। इसी प्रकार, प्राथमिक स्कूलों की संख्या भी 5,645 घटकर 143,500 हो गई है, जो 3.8 प्रतिशत की गिरावट दर्शाती है। पिछले साल, चीन की जनसंख्या 1.4 बिलियन पर आ गई, और जन्मों की संख्या सिर्फ 9 मिलियन रही, जो 1949 के बाद का सबसे कम रिकॉर्ड है। अब चीन की जनसंख्या भारत से कम हो गई है। इस समय चीन दो समस्याओं का सामना कर रहा है : एक तरफ जन्म दर में कमी और दूसरी तरफ बुजुर्गों की संख्या बढ़ती जा रही है। 2023 के अंत तक 60 साल और उससे अधिक उम्र की जनसंख्या 300 मिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है, और यह 2035 तक 400 मिलियन और 2050 तक 500 मिलियन हो सकती है। कई किंडरगार्टन अब बुजुर्गों की देखभाल के केंद्रों में बदल रहे हैं।

### ब्रिटिश सांसद ने व्यक्ति को पीट पीटकर जमीन पर पटका, लेबर पार्टी ने किया निलंबित

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटेन में लेबर पार्टी ने अपने एक सांसद को एक वीडियो सामने आने के बाद निलंबित कर दिया जिसमें वह एक व्यक्ति को मारते और उसे पीट पीटकर जमीन पर गिराते दिख रहे हैं। उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के रनकॉर्न एंड हेल्स्बी संसदीय क्षेत्र से सांसद माइक एम्सबरी को शनिवार सुबह हुई इस घटना की जांच होने तक निलंबित कर दिया गया है। 'मेल ऑनलाइन को प्राप्त निगरानी फुटेज में 55 वर्षीय एम्सबरी फुटपाथ पर एक व्यक्ति के चेहरे पर मुक्का मारते हुए और उसे पीट पीटकर सड़क पर गिराते हुए दिख रहे हैं। वीडियो में यह भी साफ नजर आ रहा है कि एम्सबरी जब खुद नीचे गिर गए तब भी उन्होंने व्यक्ति को मारना जारी रखा, जबकि अन्य लोग शोर मचाते और उन्हें रुकने के लिए कहते दिख रहे हैं। एम्सबरी ने शनिवार को एक बयान जारी कर कहा था कि उन्होंने अधिकारियों से संपर्क किया है और किसी भी तरह की जांच में वह सहयोग करेंगे। चेशायर पुलिस ने कहा कि वे फ्रॉडशैम में मेन स्ट्रीट पर कथित हमले की जांच कर रहे हैं।

### बोलीविया के पूर्व राष्ट्रपति की हत्या का प्रयास, कार पर की गई गोलीबारी

**सूक्रे, एजेंसी।** बोलीविया के पूर्व राष्ट्रपति इवो मोरालेस ने दावा किया है कि रविवार को उनकी कार पर अज्ञात लोगों ने गोलीबारी की, जिसमें वह बाल-बाल बच गए। यह कथित हमला मोरालेस और उनके सहयोगी से प्रतिद्वंद्वी बने वर्तमान राष्ट्रपति लुइस एर्से के बीच हाल ही में सत्ता संघर्ष के बीच हुआ है तथा इस हमले में उन्हें कोई चोट नहीं पहुंची। मोरालेस (65) ने हिंसा के लिए राष्ट्रपति एर्से की सरकार को दोषी ठहराया और कहा कि यह बोलीवियाई प्राधिकारियों द्वारा उन्हें राजनीति से अलग-थलग करने के लिए एक समन्वित अभियान का हिस्सा था। यह घटना सत्तारूढ़ 'मूवमेंट टूवर्ड सोशलिज्म या एमएएस के शीर्ष पदों पर मतभेदों के बीच हुई है। मोरालेस और उनके पूर्व वित्त मंत्री आर्से अगले साल होने वाले चुनावों में पार्टी का नेतृत्व करने के लिए लड़ रहे हैं। विभाजित एमएएस पार्टी के मोरालेस-गठबंधन वाले गुट ने एक बयान में कहा कि काले कपड़े पहने भारी हथियारों से लैस कुछ लोग दो वाहनों में आए और मोरालेस के काफिले पर घात लगाकर हमला किया। इसमें कहा गया है कि गोलियां पूर्व राष्ट्रपति के सिर से ''कुछ ही सेंटीमीटर दूर से निकलीं। राष्ट्रपति आर्से ने हमले की निंदा की और जांच का अनुरोध किया।

### मिशेल ओबामा ने मिशिगन में कमला हैरिस के समर्थन में की रैली, पुरुषों से की खास अपील

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की पत्नी मिशेल ओबामा ने पुरुषों से अपील की है कि वे कमला हैरिस का समर्थन करें ताकि वह अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति बन सकें। यह अपील उन्होंने शनिवार को मिशिगन में एक रैली के दौरान की, जो अमेरिका में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार हैं। मिशेल ओबामा ने चेतावनी दी कि अगर डोनाल्ड ट्रंप फिर से राष्ट्रपति बनते हैं, तो महिलाओं की जान खतरे में पड़ जाएगी। उन्होंने गर्भपात के संवैधानिक अधिकारों को खत्म करने के मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा कि यह महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने कहा- कुछ पुरुष गुस्से में ट्रंप को वोट दे सकते हैं, लेकिन इस गुस्से का असर परिवारों पर पड़ेगा। यदि आप इस चुनाव में सही व्यक्ति को नहीं चुनते हैं, तो आपकी पत्नी, बेटी, मां और हम सभी महिलाओं को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

# मिस्र के राष्ट्रपति ने बंधकों की रिहाई के लिए गाजा में दो दिन के लिए संघर्ष विराम का प्रस्ताव दिया

**काहिरा, एजेंसी।** मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सिसी ने गाजा में दो दिवसीय युद्धविराम का प्रस्ताव दिया है. इस दौरान कुछ फिलिस्तीनी कैदियों के बदले चार इजरायली बंधकों की अदला-बदली का प्रस्ताव रखा है. अब्देल-फतह अल-सिसी ने रविवार को इसकी घोषणा की. टाइम्स ऑफ इजरायल के हवाले से यह खबर दी गई है. टाइम्स ऑफ इजरायल ने चैनल 12 के हवाले से बताया कि यह प्रस्ताव में बंधकों की रिहाई के बाद 10 दिनों की अतिरिक्त वार्ता भी शामिल है. इजरायली सुरक्षा एजेंसी शिन बेट के प्रमुख रोनेन बार द्वारा पिछले सप्ताह इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुत किया गया था. अधिकांश मंत्रियों और सुरक्षा अधिकारियों ने इस विचार का समर्थन किया. हालांकि वित्त मंत्री बेजेलल स्मोत्रिच और राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन ग्वीर ने इसका विरोध किया.

इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने प्रारंभिक युद्ध विराम पर चिंताओं का हवाला देते हुए प्रस्ताव पर मतदान नहीं कराने का निर्णय लिया. साथ ही बेहतर शर्तों पर बातचीत करने के लिए रोनेन बार को वापस मिस्र भेज दिया. इस बीच हमास ने मिस्र के प्रस्ताव को स्वीकार करने की इच्छा व्यक्त की है, बशर्ते कि वह 2 जुलाई से बंधक सौदे के लिए अपनी पिछली मांगों के साथ तालमेल बैठाए. हमास ने यह आश्वासन भी मांगा कि इजराइल व्यापक सौदे के हिस्से के

रूप में मिस्र के प्रस्ताव का पालन करेगा.

मीडिया रिपोर्ट के हवाले बताया कि हमास वार्ताकारों के समक्ष एक व्यापक प्रस्ताव पेश करना चाहता है. इसमें संघर्ष का तत्काल अंत, गाजा से इजरायली सैनिकों की वापसी, तथा सभी इजरायली बंधकों के बदले में कुछ निश्चित संख्या में फिलिस्तीनी बंदियों की रिहाई शामिल है. इस बीच मोसाद प्रमुख डेविड बार्निया रविवार को दोहा गए और सीआईए निदेशक बिल बर्न्स तथा कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी के साथ बंधकों की रिहाई के लिए संभावित कदमों पर चर्चा की.

रिपोर्ट में बताया गया कि मिस्र में हाल ही में हुई एक बैठक में बार्निया ने हमास नेताओं को गाजा से सुरक्षित बाहर निकलने का प्रस्ताव दिया था. इसके बदले में वे 101 बंधकों को रिहा कर देंगे. हमास ने इस विचार को तुरंत खारिज कर दिया. गाजा के लिए हमास के उप प्रमुख खलील अल-हय्या ने दावा किया कि यह प्रस्ताव लड़ाका समूह के बारे में इजरायल की गलतफहमी को दर्शाता है. इससे संघर्ष के महीनों या वर्षों तक खिंचने का खतरा है. यद्यपि मिस्र वार्ता के लिए कोई प्रतिनिधिमंडल नहीं भेज रहा है, फिर भी वह वार्ता को पुनः आरंभ करने में सक्रिय रूप से शामिल रहा है. इसमें समझौते के लिए अपनी अपेक्षाओं पर चर्चा करने के लिए हमास के प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी करना भी शामिल है. 7 अक्टूबर को हमास द्वारा बंधक बनाए गए 251 लोगों में से लगभग 97 अभी भी गाजा में हमास की कैद में हैं. इनमें कम से कम 34 बंधकों के शव भी शामिल हैं, जिनकी मौत की पुष्टि हो चुकी है. टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है.

## जापान आम चुनाव : बहुमत से पीछे रहा सत्तारूढ़ गठबंधन, पीएम शिगेरू इशिबा की बढ़ी मुश्किलें

**टोक्यो, एजेंसी।** जापान के आम चुनाव में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) और उसके सहयोगी कोमिटो का सत्तारूढ़ गठबंधन बहुमत का आंकड़ा नहीं छू पाया। सबसे बड़ी

विपक्षी पार्टी, जापान की संवैधानिक लोकतांत्रिक पार्टी ने महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। 15 वर्षों में पहली बार लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी और उसके सत्तारूढ़ गठबंधन सहयोगी कोमिटो ने निचले सदन में अपना बहुमत खोया है। पिछली बार उन्होंने 2009 में बहुमत खोया था। एलडीपी और कोमिटो को संसद के शक्तिशाली सदन में 465 सीटों में से कुल 215 सीटें मिलीं, जो बहुमत के लिए जरूरी 233 सीटों से कम है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एलडीपी ने अकेले 191 सीटें जीतीं। जबकि चुनाव से पहले उसके पास मौजूद 247 सीटों से बहुत कम है। इसके विपरीत, मुख्य विपक्षी संवैधानिक डेमोक्रेटिक पार्टी 148 सीटों पर पहुंच गई जो चुनाव से पहले 98 सीटों तक सीमित थी। चुनाव नतीजे काफी हद तक मीडिया के पूर्वानुमानों के अनुरूप है। यह चुनाव स्लश फंड घोटाले के बाद पहला राष्ट्रव्यापी मतदान है, जिसने सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी को हिलाकर रख दिया था। इसकी वजह से जनता का पार्टी में विश्वास कम हुआ और इसी के चलते फुमियो किशिदा को प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा। पब्लिक ब्रोडकास्टर एनएचके के मुताबिक, खराब प्रदर्शन के बाद, प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने अपनी सरकार को स्थिर करने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। उन्होंने अन्य दलों से सहयोग लेने की योजना की घोषणा की। देश के 50वें प्रतिनिधि सभा चुनाव में कुल 1,344 उम्मीदवार मैदान में थे, जो 2021 में पिछले ऐसे चुनाव में 1,051 से अधिक थे।

## नेतन्याहू के सामने शेम ऑन यू के नारे लगे:हमास के हमले में मारे गए लोगों की याद में आयोजन था

**येरूशलम, एजेंसी।** इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू रविवार को पिछले साल हमास के हमले में मारे गए लोगों की याद में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान कुछ लोगों ने उनके भाषण को बीच में रोकते हुए शेम ऑन यू के नारे लगाने शुरू कर दिए। ये कार्यक्रम टीवी पर लाइव प्रसारित किया जा रहा था। नारे लगाने वाले लोग हमास के हमले में मारे गए लोगों के परिवारजन थे। दरअसल, पिछले साल हुए हमास के हमले को न रोक पाने के पीछे कई लोग नेतन्याहू को दोषी मानते हैं। इनमें वो लोग भी शामिल थे, जिनके परिवार वालों को हमास ने बंधक बनाया हुआ है। गाजा में इजराइली एयरस्ट्राइक में 40 की मौत गाजा की अल अक्सा शहीद अस्पताल के प्रवक्ता डॉ. खलील अल दकरान ने बताया कि शनिवार को नॉर्थ गाजा पर हुई एयर स्ट्राइक में लगभग 40 लोग मारे गए हैं। इजराइल ने नॉर्थ गाजा के बेइत लाहिया इलाके में एक रिहाइशी बिल्डिंग को निशाना बनाया था। हमले में 80 से ज्यादा लोग घायल भी हुए हैं। अल दकरान ने बताया कि इस महीने में अब तक इजराइली हमलों से नॉर्थ गाजा में 1 हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं। वहीं, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक ये आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। एम्बुलेंस न होने की वजह से सभी लोग अस्पताल नहीं पहुंच पा रहे हैं। मंत्रालय के मुताबिक बेघर हो चुके लोगों के 5 शेल्टर होम को भी इजराइल ने निशाना बनाया है। इजराइली सेना ने रविवार को बताया कि उसने दक्षिणी लेबनान में बिंत जबेइल इलाके के हिजबुल्लाह कमांडर अहमद जफर मातौक को मार गिराया है। इसके अगले दिन सेना ने मातौक के उत्तराधिकारी के साथ ही बिंत जबेइल में हिजबुल्लाह के आर्टिलरी कमांडर को भी मार गिराया।

## इजरायली सैनिकों की गोली से एक फिलिस्तीनी की मौत, वाहन से टक्कर मारने का आरोप

**रामल्लाह, एजेंसी।** इजरायल के सैनिकों ने यरूशलम के उत्तर में एक सैन्य चौकी के पास कथित तौर पर एक कार से हमला करने की कोशिश करने वाले एक फिलिस्तीनी को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। फिलिस्तीनी अथॉरिटी के यरूशलम गवर्नरेट ने रविवार को एक बयान में बताया कि शुफ़ात शरणार्थी शिविर में रहने वाले सामी अल-अमूदी नामक एक युवक को इजराइली सैनिकों ने गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, इससे पहले रविवार को, इजराइली पुलिस ने घोषणा की कि एक फिलिस्तीनी द्वारा चलाए जा रहे वाहन ने फिलिस्तीनी गांव हिजमा के पास सैनिकों को टक्कर मारने की कोशिश की, जिसके बाद सैनिकों ने हमलावर पर गोलियां चलाई। एक बयान में, पुलिस ने कहा कि हमले में कोई घायल नहीं हुआ और आतंकवादी को तुरंत मार गिराया गया। घटना के बाद, इलाके की सड़कें बंद कर दी गई और बड़ी संख्या में सैनिकों और पुलिस को घटनास्थल पर भेजा गया। इजरायल की मैगन डेविड एडोम इमरजेंसी सेवाओं के अनुसार, इसी रविवार को इजरायल के मध्य क्षेत्र में एक सैन्य बेस के पास एक ट्रक ने एक बस को टक्कर मार दी, जिससे लगभग 33 लोग घायल हुए, जिनमें से छह की हालत गंभीर है।

# नीलामी से पहले पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस की हालत खराब

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए), देश की राष्ट्रीय ध्वजवाहक, परिचालन समस्याओं और वित्तीय संकट का सामना कर रही है। क्योंकि तकनीकी समस्याओं के कारण इसके 33 विमानों के बेड़े में से केवल आधे ही घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ान सेवाओं के लिए उपलब्ध हैं। सूत्रों के अनुसार, वर्तमान में केवल 16 पीआईए विमान ही उड़ान के लिए तैयार हैं, जबकि 17 विमान स्पेयर पार्ट्स की कमी, इंजन जांच और अन्य कारणों से खड़े हैं। इसमें बोइंग 777 की एक बड़ी संख्या शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, पीआईए बेड़े में 12 बोइंग 777 में से केवल पांच ही अभी परिचालन में हैं। इसके अलावा, पीआईए के 16 एयरबस ए 320 में से केवल 10 ही सेवा में हैं, साथ ही एक एटीआर भी है। राष्ट्रीय ध्वज वाहक के प्रबंधन की लापरवाही के कारण पीआईए की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। एयरलाइन के पास निष्क्रिय विमानों की मरम्मत या स्पेयर पार्ट्स खरीदने के लिए संसाधनों की कमी है, जिससे पहले से ही गंभीर स्थिति और भी गंभीर हो गई है। पीआईए को ऐसे समय में गंभीर वित्तीय और परिचालन संकट का सामना करना पड़ रहा है, जब सरकार 30 अक्टूबर को सरकारी स्वामित्व वाली पीआईए कॉरपोरेशन की अंतिम नीलामी करने वाली है। सूत्रों का कहना है कि नीलामी की तारीख नजदीक आते ही पीआईए प्रबंधन और भी लापरवाह हो गया है। पीआईए के निजीकरण का फैसला शहबाज शरीफ सरकार ने फरवरी

2024 में लिया था। यह प्रक्रिया अगले सप्ताह पूरी हो जाएगी। संसदीय संचार सचिव गुल असगर खान ने कहा, ÷यह प्रक्रिया निजीकरण के विस्तृत ढांचे के तहत की जाने वाली एक लंबी कवायद है। इस प्रक्रिया में मंत्री की अध्यक्षता वाले निजीकरण आयोग बोर्ड और सचिव निजीकरण आयोग सहित विभिन्न संस्थान शामिल हैं। पीआईए के निजीकरण के फैसले को कैबिनेट समिति ने मंजूरी दी थी। पीआईए की परिसंपत्तियों को अलग रखा गया है क्योंकि इसकी परिचालन परिसंपत्तियों को अलग कर दिया गया है जबकि अंतिम नीलामी 30 अक्टूबर को पीआईए कॉरपोरेशन के तहत होगी।

# डोनाल्ड ट्रंप ने चुनावी रैली में पत्नी मेलानिया को किया किस, डांस करते हुए भी आए नजर

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर प्रचार-प्रसार अपने चरम पर है। इसी कड़ी में, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मैडिसन स्क्वायर गार्डन रैली को संबोधित किया। दिलचस्प है कि चुनावी मंच पर वह अपनी पत्नी मेलानिया के साथ डांस करते नजर आए। रैली में जुटी भीड़ इस पल का आनंद लेते दिखी। इस दौरान मेलानिया ने डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका का जादू बताया। पूर्व प्रथम महिला को चुनावी मंच पर देखकर लोग हैरान रह गए और उनका जोरदार स्वागत किया। समर्थकों ने ट्रंप की जीत के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। डोनाल्ड ट्रंप का चुनावी मंच पर स्वागत करने से पहले मेलानिया ने भीड़ से बातचीत की। इसके बाद, ट्रंप और मेलानिया ने एक-दूसरे को गले लगाया और किस भी किया। तभी पीछे से म्यूजिक बजने लगा जिसे सुनकर ट्रंप डांस करने लगे। रैली में मौजूद रिपब्लिकन समर्थक भी झूमते नजर आए और उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति का खूब उत्साह बढ़ाया। न्यूयॉर्क सिटी में हुई ट्रंप की इस चुनावी रैली में कई खास मेहमान भी आए थे, जिनमें आरएफके

जूनियर, तुलसी गबार्ड, एलन मस्क, टकर कार्लसन और हल्क होगन प्रमुख हैं। इन्हें देखने के लिए हजारों प्रशंसक न्यूयॉर्क की सड़कों पर भरे हुए थे।

**डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच कड़ा मुकाबला :** अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए कांटे का मुकाबला बना हुआ है। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों ही कड़ी फाइट वाले राज्यों में लोकप्रिय मत हासिल करने के लिए परिश्रम कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर किए गए सर्वे में पाया गया कि 47 प्रतिशत मतदाता डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार हैरिस का समर्थन करते हैं और इतने ही प्रतिशत मतदाता चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ट्रंप का समर्थन करेंगे। व्हाइट हाउस की दौड़ जीतने के लिए 538 चुनावी मतों में से 270 वोट हासिल करने होंगे। 7 ऐसे राज्य हैं, जहां दोनों उम्मीदवारों के बीच बेहद कड़ा मुकाबला है। देश का अगला राष्ट्रपति तय करने में इनकी निर्णायक भूमिका होगी।

## इंडोनेशिया के माउंट मारापी में ज्वालामुखी विस्फोट, दूर तक फैला लावा

**अगम, एजेंसी।** इंडोनेशिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक में रविवार को विस्फोट होने से कम से कम तीन बार राख के गुबार उठे और आसपास के गांवों में मलबा फैल गया। हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पश्चिमी सुमात्रा प्रांत के अगम जिले में स्थित माउंट मारापी में होने वाले विस्फोटों का पूर्वानुमान लगाना कठिन है, क्योंकि वे मैग्मा की गहरी हलचल के कारण नहीं, बल्कि भूगर्भीय झटकों के कारण होते हैं। मारापी निगरानी चौकी पर

इंडोनेशिया के ज्वालामुखी विज्ञान और भूगर्भीय खतरा शमन केंद्र के अधिकारी अहमद रिफांदी ने बताया कि इससे निकला गर्म लावा कई मील तक फैल गया। विस्फोट से 2,000 मीटर की ऊंचाई तक राख के गुबार उठे। रिफांदी ने कहा कि लगभग 2,900 मीटर ऊंचा ज्वालामुखी जनवरी से अब तक चार अलर्ट स्तरों में से दूसरे उच्चतम स्तर पर बना हुआ है। पर्वतारोहियों और ग्रामीणों को ज्वालामुखी के मुहाने से तीन किमी के भीतर जाने पर रोक लगा दी गई है।

दिसंबर 2023 में मारापी पर्वत में अचानक विस्फोट हुआ, जिसमें 24 पर्वतारोहियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। तब से पर्वत के चढ़ाई के दो मार्ग बंद कर दिए गए हैं। इससे पांच महीने पहले मॉनसून की बारिश के दौरान माउंट मारापी से मिट्टी और ठंडे लावा के निकलने से नदियों में बाढ़ आ गई। इस घटना में कई लोगों के घर बह गए और 67 लोगों की मौत हुई थी। द्वीपीय देश इंडोनेशिया भूकंप और ज्वालामुखी गतिविधि के लिए संवेदनशील है, क्योंकि यह प्रशांत महासागर के चारों ओर भूकंपीय क्षेत्र ''फायर रिंग'' पर स्थित है।

# हिब्रू में एक्स पर आए ईरान के सुप्रीम लीडर, पहली ही पोस्ट में इजरायल पर बरसे, खाता सस्पेंड

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई का हिब्रू भाषा का एक्स अकाउंट सस्पेंड कर दिया गया है। यह ऐक्शन अकाउंट खोलने के एक दिन बाद ही लिया गया। अकाउंट सस्पेंड करने के साथ लिखे नोट में कहा गया है कि एक्स के नियमों को तोड़ने के चलते ऐसा किया गया है। बताया जाता है कि इस अकाउंट के जरिए खामेनेई इजरायल के खिलाफ नफरत फैला रहा था। इस अकाउंट पर दो पोस्ट की गई हैं। पहली पोस्ट में लिखा गया है कि दयालु अल्लाह के नाम पर। वहीं, दूसरी पोस्ट में ईरान पर हमले के लिए इजरायल पर निशाना साधा गया है। अपने मेन ऐक्स अकाउंट पर भी खामेनेई अक्सर हिब्रू में पोस्ट करता है। इसमें वह इजरायल के खिलाफ सख्त भाषा का इस्तेमाल करता है। खामेनेई ने कहा है कि ईरान पर इजरायल के हमले को न तो बहुत बढ़ा-चढ़ाकर देखा जाना चाहिए और न ही इसे कम करके बताया जाना चाहिए। हालांकि खामेनेई ने इस हमले के बाद जवाबी कार्रवाई का आह्वान करने से परहेज किया। उसने कहाकि इजरायली शासन की गलतफहमियों को दूर किया जाना चाहिए। उन्हें ईरानी राष्ट्र और उसके युवाओं की ताकत एवं इच्छाशक्ति के बारे में समझाना जरूरी है। खामेनेई ने कहा कि यह तय करना प्राधिकारियों का काम है कि ईरानी लोगों की

इच्छाशक्ति और ताकत के बारे में इजरायली शासन को कैसे समझाया जाए और इस राष्ट्र के हितों की पूर्ति करने वाली कार्रवाई कैसे की जाएग। खामेनेई की टिप्पणियां संकेत देती हैं कि ईरान इस हमले को लेकर अपनी प्रतिक्रिया पर सावधानीपूर्वक विचार कर रहा है। ईरान की सेना पहले ही कह चुकी है कि गाजा पट्टी या लेबनान में संघर्ष विराम इजराइल पर किसी भी जवाबी हमले से बेहतर है लेकिन ईरानी अधिकारियों ने यह भी कहा है कि उनके पास जवाब देने का अधिकार है। ईरान ने इजरायल पर 1 अक्टूबर को मिसाइलों से हमला बोला था। ये हमले इजरायल की राजधानी तक को निशाना बनाते हुए किए गए थे। इसके जवाब में इजरायल ने शनिवार को ईरान में स्ट्राइक कीं। ये हमले तेहरान तक में किए गए और ईरान के सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचाया गया। इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने भी ईरान को बड़ा नुकसान होने की बात कही है। फिर भी इजरायल ने इस बात की सावधानी बरती की ईरान के पावर ग्रिड, परमाणु हथियारों के केंद्र और नागरिक संस्थानों को टारगेट न किया जाए। रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि इजरायल ने हमले का यह तरीका इसलिए चुना है ताकि जंग को बड़े पैमाने पर न फैलने दिया जाए और ईरान को संदेश भी पहुंच जाए।

# जीवन में ज्ञान का दीपक जलाना ही असली दिवाली!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

नेपाल में यह त्योहार इसलिए महान है क्योंकि इस दिन से नेपाल संवत में नया वर्ष शुरू होता है। स्वामी रामतीर्थ का जन्म व महाप्रयाण दोनों दीपावली के दिन ही हुआ था। स्वामी रामतीर्थ ने दीपावली के दिन गंगातट पर स्नान करते समय ओम कहते हुए समाधि ले ली थी। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती ने भारतीय संस्कृति के महान जननायक बनकर दीपावली के दिन अजमेर के निकट अपने प्राण त्याग दिये थे। हिंदुओं में इस दिन लक्ष्मी के पूजन का विशेष विधान है। रात्रि के समय प्रत्येक घर में धनधान्य की अधिष्ठात्री देवी महालक्ष्मीजी,विघ्न-विनाशक गणेश जी और विद्या एवं कला की देवी मातेश्वरी सरस्वती देवी की पूजा-आराधना की जाती है।

दिवाली हमेशा से अमावस्या के दिन ही मनाई जाती है। 31 अक्टूबर यानी गुरूवार को अमावस्था तिथि दिन में 2 बजकर 40 मिनट से लग रही है। इस कारण दिवाली 31 अक्टूबर को मनाई जाएगी।दिवाली के त्योहार पर रात्रि में अमावस्या तिथि होनी चाहिए जो कि 1 नवंबर 2024 को शाम के समय नहीं है। ऐसे में दिवाली का त्योहार 31 अक्टूबर को मनाया जाएगा। दिवाली के दिन माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा की जाती है।इस बार लक्ष्मी पूजा का शुभ मुहूर्त 31 अक्टूबर 2024 को शाम 5 बजे से लेकर रात के 10 बजकर 30 मिनट तक है।दिवाली पर लक्ष्मी पूजन हमेशा अमावस्या तिथि के रहने पर और प्रदोष काल यानी सूर्यास्त के बाद से लेकर देर रात तक करने का विधान होता है यानी अमावस्या तिथि, प्रदोष काल और निशिताकाल के मुहूर्त में दिवाली मनाना शुभ माना गया है। जिस दिन कार्तिक महीने की अमावस्या तिथि रहें तो प्रदोष काल से लेकर आधी रात को लक्ष्मी पूजन करना और दिवाली मनाना ज्यादा शुभ व शास्त्र सम्मत रहता है। मां लक्ष्मी का प्रादुर्भाव प्रदोष काल में ही हुआ था, जिसके चलते निशीथ काल में मां लक्ष्मी की पूजा और उनसे जुड़े सभी तरह की साधनाएं आदि करना विशेष महत्व का होता है। स्थिर लग्न में मां लक्ष्मी का पूजन करने से महालक्ष्मी स्थिर रहती हैं। ऐसे में दिवाली पर प्रदोष काल में पड़ने वाले वृषभ लग्न में ही महालक्ष्मी और भगवान गणेश का पूजन करना अति उत्तम रहेगा। पंचांग के अनुसार 31 अक्तूबर को वृषभ लग्न शाम को 6ः25 से लेकर रात्रि 8ः20 तक रहेगा। साथ ही इस समय प्रदोष काल भी मिल जाएगा। प्रदोषकाल, वृषभ लग्न और चौघड़ियां का ध्यान रखते हुए लक्ष्मी पूजन के लिए 31 अक्तूबर की शाम को 06ः25 से लेकर 7ः13 के बीच का समय सर्वोत्तम रहेगा। कुल मिलाकर 48 मिनट का यह मुहूर्त लक्ष्मी पूजन के लिए सर्वश्रेष्ठ रहेगा।

दिवाली की तैयारियां कई दिनों पहले से की जा रही है। दिवाली पर पूरे घर की साफ सफाई के साथ ही घर को दीयों और रंगबिरंगी लाइटों से सजाया जाता है। हर वर्ष दीपोत्सव का पर्व 5 दिनों तक धनतरेस से शुरू होकर नरक चतुर्दशी यानि छोटी दिवाली , बड़ी दिवाली, गोवर्धन पूजा और अंत मे भाई दूज पर्व के रूप में मनाया जाता है। जब

भगवान राम चौदह वर्ष का वनवास काटकर तथा असुरी वृत्तियों के प्रतीक रावणादि का संहार करके अयोध्या लौटे थे,तब अयोध्यावासियों ने राम के राज्यारोहण पर दीपमालाएं जलाकर महोत्सव मनाया था। इसीलिए दिवाली हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। कृष्ण भक्तिधारा के लोगों का मत है कि इस दिन भगवान श्री कृष्ण ने अत्याचारी राजा नरकासुर का वध किया था। इस नृशंस राक्षस के वध से जनता में अपार हर्ष फैल गया और प्रसन्नता से भरे लोगों ने घी के दीप जलाए। वही इसी दिन भगवान विष्णु ने नरसिंह रुप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था तथा इसी दिन समुद्रमंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए।जैन मत के अनुसार चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी का निर्वाण दिवस भी दीपावली को ही पड़ता है। सिक्खों के लिए भी दिवाली महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन ही अमृतसर में सन 1577 में स्वर्ण मन्दिर का शिलान्यास हुआ था। इसके अलावा सन1619 में दीवाली के दिन सिक्खों के छठे गुरु हरगोबिन्द सिंह जी को जेल से रिहा किया गया था।

नेपाल में यह त्योहार इसलिए महान है क्योंकि इस दिन से नेपाल संवत में नया वर्ष शुरू होता है। स्वामी रामतीर्थ का जन्म व महाप्रयाण दोनों दीपावली के दिन ही हुआ था। स्वामी रामतीर्थ ने दीपावली के दिन गंगातट पर स्नान करते समय ओम कहते हुए समाधि ले ली थी। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती ने भारतीय संस्कृति के महान जननायक बनकर दीपावली के दिन अजमेर के निकट अपने प्राण त्याग दिये थे। हिंदुओं में इस दिन लक्ष्मी के पूजन का विशेष विधान है। रात्रि के समय प्रत्येक घर में धनधान्य की अधिष्ठात्री देवी महालक्ष्मीजी,विघ्न-विनाशक गणेश जी और विद्या एवं कला की देवी मातेश्वरी सरस्वती देवी की पूजा-आराधना की जाती है।

ब्रह्मपुराण के अनुसार कार्तिक अमावस्या की इस अंधेरी रात्रि अर्थात अर्धरात्रि में महालक्ष्मी स्वयं भूलोक में आती हैं और प्रत्येक सद्गृहस्थ के घर में विचरण करती हैं। जो घर हर प्रकार से स्वच्छ, शुद्ध और सुंदर तरीके से सुसज्जित और प्रकाशयुक्त होता है वहां अंश रूप में ठहर जाती हैं और गंदे स्थानों की तरफ देखती भी नहीं।

इसलिए इस दिन घर-बाहर को खूब साफ-सुथरा करके सजाया-संवारा जाता है। कहा जाता है कि दिवाली मनाने से लक्ष्मीजी प्रसन्न होकर स्थायी रूप से सदगृहस्थों के घर निवास करती हैं।त्योहारों का जो वातावरण धनतेरस से प्रारम्भ होता है,वह दिवाली के दिन यह पर्व श्रखंला पूरे चरम पर होती है। यह पर्व अलग-अलग नाम और विधानों से पूरी दुनिया में मनाया जाता है। इसका एक कारण यह भी कि इसी दिन अनेक विजयश्री युक्त कार्य हुए हैं। बहुत से शुभ कार्यों का प्रारम्भ भी इसी दिन से माना गया है। इसी दिन उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य का राजतिलक हुआ था। विक्रम संवत का आरंभ भी इसी दिन से माना जाता है। यानी यह नए वर्ष का प्रथम दिन भी है। इसी दिन व्यापारी अपने बही-खाते बदलते हैं तथा लाभ-हानि का ब्यौरा तैयार करते हैं।हर प्रांत या क्षेत्र में दीवाली मनाने के कारण एवं तरीके अलग हैं पर सभी जगह कई पीढ़ियों से यह त्योहार चला आ रहा है। लोगों में दिवाली की बहुत उमंग होती है। लोग अपने घरों का कोना-कोना साफ करते हैं, नये कपड़े पहनते हैं। मिठाइयों के उपहार एक दूसरे को बांटते हैं,एक दूसरे से मिलते हैं।

घर-घर में सुन्दर रंगोली बनाई जाती है, दिये जलाए जाते हैं और आतिशबाजी की जाती है। बड़े छोटे सभी इस त्योहार में भाग लेते हैं। यह पर्व सामूहिक व व्यक्तिगत दोनों तरह से मनाए जाने वाला ऐसा विशिष्ट पर्व है जो धार्मिक,सांस्कृतिक व सामाजिक विशिष्टता रखता है।

दीपों के पर्व की हमारे जीवन में बहुत महत्ता है। मनुष्य के जीवन में आज अज्ञानता का अंधकार तेजी से फैलता जा रहा है। यदि हमें इससे दूर करने का प्रयास नहीं करेंगे तो जीवन में कभी भी रोशनी का प्रकाश नहीं फैल पाएगा। हम केवल रस्मों के रूप में ही दिवाली मना लेते है, लेकिन उसके आध्यात्मिक रहस्यों से विमुख हो रहे हैं। यदि हमें हर घर को रोशन करना है तो जीवन में ज्ञान का दीपक जलाना होगा। हमारा पर्व भारतीय संस्कृति और सभ्यता को किसी ना किसी रूप में आध्यात्मिक सत्ता से जोड़ता है।व्यर्थ के

चिंतन से जब तनाव पैदा होता है तो हमारे सोचने का तरीका का तरीका बदल जाता है । हमें महसूस होता है कि जैसे किसी ने हमारे मन में जहर घोल दिया हो। इसलिए हमेशा अपने मन को अच्छे विचारों के साथ भरना चाहिए ताकि मन मे खुशियो का प्रकाश जगमगाता रहे। जितनी भी समस्याएं पैदा होती है वह कमजोर मन की उपज है। मन का भोजन अच्छा होगा तो अच्छे विचार जन्म लेंगे जो हमें गलत फहमियों से हमेशा दूर रखने में मदद करते है। इंसान जैसा सोचता है वैसा ही बनता है। हमेशा सकारात्मक सोचो, नकारात्मक विचारों की मन में कभी भी जगह न बनने दो। आत्मा की बैटरी को हमेशा चार्ज रखने के लिए सुबह शाम 20 मिनट तक मेडीटेशन जरूर करनी चाहिए। हर इंसान में कुछ न कुछ अच्छे गुण होते है, इसलिए अच्छे गुणों को धारण करने में कभी भी पीछे नही रहना चाहिए।तभी मन की सच्ची दिवाली सुख और सम्रद्धि को जन्म दे सकती हैऔर हम दिवाली का सच्चा रसानन्द प्राप्त कर सकते है।वास्तविक प्रकाश हमे अपने मन के अंदर करना है,जहां बुराई रूपी तमस दूर हो सके और अच्छाई रूपी प्रकाश प्रज्वलित हो सके।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक एवं वरिष्ठ साहित्यकार है)

## संपादकीय

### धमकियों की उड़ान

यह सवाल हर भारतीय को परेशान कर रहा है कि भारतीय एयरलाइन्स के जहाजों को लेकर दी जा रही धमकियों की यह बाढ़ सी क्यों आ रही है? आखिर फ्लाइट्स को डिजिटली धमकी देने वालों तक हमारा खुफिया तंत्र क्यों नहीं पहुंच पा रहा है? बार-बार मिलने वाली फर्जी धमकियों से जहां इन विमानन कंपनियों को आर्थिक नुकसान हो रहा है, वहीं यात्रियों को उड़ान में देरी व सुरक्षा जांच के चलते भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विमानन कंपनियों के आर्थिक नुकसान व यात्रियों पर मानसिक दबाव के मद्देनजर जो तत्परता सरकार की तरफ से दिखायी जानी चाहिए थी,वो नजर नहीं आ रही है। इस घटनाक्रम से आम यात्रियों में हवाई यात्रा को लेकर असुरक्षाबोध पैदा हो रहा है। हालांकि, अधिकांश धमकियां फर्जी ही निकली हैं, लेकिन इन अपराधियों तक पहुंचना जरूरी है। चिंता यह भी कि यदि भविष्य में किसी आतंकी साजिश के प्रति कोई वास्तविक सचेतक सूचना भी आएगी तो संभव है, उसे गंभीरता से न लिया जाए। अतः हर स्तर पर सावधानी बरती जानी जरूरी है। वहीं ऐसी हरकत करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है। इस तरह लगातार मिल रही धमकियों की वजह से निरंतर फ्लाइट्स देर से उड़ान भर रही हैं, यात्री और उनके परिजन परेशान हो रहे हैं। विमानन कंपनियों को अपनी फ्लाइट कैंसिल करनी पड़ रही हैं। ऊपरी तौर पर ऐसे घटनाक्रम का आर्थिक नुकसान विमानन कंपनियों को हो रहा है, लेकिन बाद में उसका असर आखिर यत्रियों की जेब पर ही पड़ना स्वाभाविक है। कुल मिलाकर नुकसान देश का ही है। लेकिन सरकार की तरफ से ऐसा संकेत नहीं मिल रहा है कि इससे निपटने के लिये कोई बड़ी व कड़ी कार्रवाई की जा रही है। कमोबेश ऐसी ही स्थिति ट्रेनों के मार्ग पर लगातार अवरोधक लगाने की घटनाओं से भी सामने आई है। जिसके सामने तंत्र लाचार नजर आता है। सरकार को समझना चाहिए कि ऐसे अफरा-तफरी के माहौल से विमानन कंपनियों की सेवा व सुरक्षा व्यवस्था के प्रति लोगों में अविश्वास पैदा होता है। वास्तव में होना तो यह चाहिए कि हमारी सुरक्षा व्यवस्था इतनी चाक-चौबंद हो कि ऐसी फर्जी धमकियों पर विचलित होने के बजाय उड़ानों का संचालन सहज ढंग से हो सके। कहीं न कहीं हमारे तंत्र में आत्मविश्वास की कमी की वजह से भी ऐसी अफरा-तफरी मचती है। हमारा सुरक्षा तंत्र इतना लचर भी नहीं होना चाहिए कि एक फर्जी धमकी से हम भयभीत हो जाएं। किसी भी स्तर पर लापरवाही की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। देखना यह भी जरूरी है कि फर्जी धमकी देने वाले सुरक्षित कैसे बच रहे हैं। लगातार विस्तार पाती डिजिटल दुनिया में होने वाले साइबर अपराधों की तह तक पहुंचने वाला हमारा तंत्र कमजोर क्यों नजर आ रहा है। क्यों हम धमकी भेजने वाले के ई-मेल पते को ट्रेस नहीं कर पा रहे हैं। आधुनिक तकनीक से डिजिटल निगरानी को वक्त की जरूरतों के हिसाब से तैयार किया जाना चाहिए।

# नरक चतुर्दशी : यमराज के लिए दीपदान करने का पर्व

(लेखक-योगेश कुमार गोयल)

(नरक चतुर्दशी (30 अक्तूबर) पर विशेष)

भारत में कार्तिक कृष्ण पक्ष में पांच पर्वों का जो विराट महोत्सव मनाया जाता है, महापर्व की उस श्रृंखला में सबसे पहले पर्व धनतेरस के बाद दूसरा पर्व आता है 'नरक चतुर्दशी'। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाए जाने वाले पर्व 'नरक चतुर्दशी' नाम में 'नरक' शब्द से ही आभास होता है कि इस पर्व का संबंध भी किसी न किसी रूप में मृत्यु अथवा यमराज से है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन यमराज का पूजन करने तथा व्रत रखने से नरक की प्राप्ति नहीं होती। दीवाली से ठीक एक दिन पहले मनाए जाने वाले इस पर्व की तिथि को लेकर लोगों के मन में भ्रम की स्थिति है कि यह पर्व 30 अक्तूबर को मनाया जाएगा या 31 अक्तूबर को। हिंदू पंचांग के अनुसार इस वर्ष कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी 30 अक्तूबर को दोपहर 1 बजकर 15 मिनट से शुरु हो रही है और चतुर्दशी तिथि अगले दिन यानी 31 अक्तूबर को दोपहर 3 बजकर 52 मिनट पर समाप्त होगी। यम चतुर्दशी की पूजा चूंकि प्रदोष काल यानी शाम के समय ही की जाती है, इसीलिए नरक चतुर्दशी 30 अक्तूबर को ही मनाई जाएगी। इस दिन शाम 5 बजकर 30 मिनट से 7 बजकर 2 मिनट तक दीपदान का शुभ मुहूर्त है। 'नरक चतुर्दशी' पर्व को 'नरक चौदस', 'रूप चतुर्दशी', 'काल चतुर्दशी' तथा 'छोटी दीवाली' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रगुप्त का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन रामभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है।

यम को मृत्यु का देवता और संयम के अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है और सायंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा करेगी। नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में एक मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने प्रागज्योतिषपुर के राजा 'नरकासुर' नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और ऐसा करके उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों को बल्कि देवताओं को भी उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसके आतंक से पृथ्वी के समस्त शूरवीर और सम्राट भी थर-थर कांपते थे। अपनी शक्ति के घमंड में चूर नरकासुर शक्ति का दुरूपयोग करते हुए स्त्रियों पर भी अत्याचार करता था। उसने 16000 मानव, देव एवं गंधर्व कन्याओं को बंदी बना

रखा था। देवों और ऋषि-मुनियों के अनुरोध पर भगवान श्रीकृष्ण ने सत्यभामा के सहयोग से नरकासुर का संहार किया था और उसके बंदीगृह से 16000 कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। नरकासुर से मुक्ति पाने की खुशी में देवगण व पृथ्वीवासी बहुत आनंदित हुए और उन्होंने यह पर्व मनाया गया। माना जाता है कि तभी से इस पर्व को मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई। धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा दीवाली के दिन दीपक जलाए जाने के संबंध में एक मान्यता यह भी है कि इन दिनों में वामन भगवान ने अपने तीन पगों में सम्पूर्ण पृथ्वी, पाताल लोक, ब्रह्माण्ड व महादानवीर दैत्यराज बलि के शरीर को नाप लिया था और इन तीन पगों की महत्ता के कारण ही लोग यम यातना से मुक्ति पाने के उद्देश्य से तीन दिनों तक दीपक जलाते हैं तथा सुख, समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति हेतु मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं। यह भी कहा जाता है कि बलि की दानवीरता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने बाद में पाताल लोक का शासन बलि को ही सौंपते हुए उसे आशीर्वाद दिया था कि उसकी याद में पृथ्वीवासी लगातार तीन दिन तक हर वर्ष उनके लिए दीपदान करेंगे। नरक चतुर्दशी का संबंध स्वच्छता से भी है। इस दिन लोग अपने घरों का कूड़ा-कचरा बाहर निकालते हैं। इसके अलावा यह भी मान्यता है कि इस दिन प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व तेल एवं उबटन लगाकर स्नान करने से पुण्य मिलता है।

(लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(चिंतन-मनन)

# खुद तय करें कि अगले जन्म में क्या बनेंगे

अगले जन्म में आप धनवान बनेंगे या गरीब, एक्टर बनेंगे या डॉक्टर यह सब आप पर निर्भर है। हो सकता है कि आप इस पर यकीन न करें लेकिन सच यही है। इसका प्रमाण है श्रीमद्भगवत् गीता। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा कि आत्मा अमर है। एक शरीर को छोड़कर आत्मा दूसरा शरीर धारण कर लेती है। अर्जुन को समझाते हुए श्री कृष्ण ने कहा है कि ऐसा कोई समय नहीं है जब तुम और मैं नहीं थे। आने वाला ऐसा कोई समय नहीं है जब हम और तुम नहीं होंगे। भगवान प्रत्यक्ष रूप से कहते हैं आत्मा निरंतर एक शरीर से दूसरे शरीर में पहुंचकर अपनी यात्रा जारी रखती है। यानी आप चाहें या न चाहें आपको अगल जन्म लेना है। आपके हाथ में बस इतना है कि आप अगले जन्म में खुद को किस रूप में देखना चाहते हैं यह तय करें। आप कहेंगे कि जब हम खुद ही तय कर सकते हैं कि हमें अगले जन्म में क्या बनना है तो हर व्यक्ति धनवान और सुखी होता है। लेकिन इस दुनियां में गरीब भी हैं और दुखी भी हैं। श्रीमद्भगवत् गीता में इस प्रश्न का भी उत्तर है। गीता के अष्टम में अध्याय में लिखा है, श्री कृष्ण अर्जुन से कहते है ''यं यं वापि स्मरन्भावं त्यजत्यन्ते कलेवरम्। तं तमेवैति कौन्तेय सदा तद् भावभावितः इसका अर्थ है, '' हे कुन्तीपुत्र अर्जुन! यह मनुष्य अन्तकाल में जिस-जिस भी भाव को स्मरण करता हुआ शरीर का त्याग करता है, उस उसको ही प्राप्त होता है, क्योंकि वह सदा उसी भाव से भावित रहा है। यानी आप अंत समय में जिन-जिन चीजों का ध्यान करेंगे अगले जन्म में उन चीजों को प्राप्त करेंगे। इसी मान्यता के कारण बहुत से लोग अपने बच्चों का नाम भगवान के नाम पर अर्थात राम, विष्णु, कृष्ण, गोविंद आदि रखते हैं। इसका उद्देश्य यह रहता है कि जीवन काल में संतान का नाम लेते हुए भगवान का भी स्मरण बना रहे। आमतौर पर मनुष्य का अपनी संतान से बहुत अधिक मोह रहता है, मरते समय वह अपनी संतान का मुख देना चाहता है और उसे ही याद करता है। संतान का नाम ईश्वर के नाम पर होने से मरते समय संतान को याद करते हुए व्यक्ति ईश्वर का भी ध्यान कर लेता है जिससे मुक्ति मिल जाती है। इसलिए हमेशा उस बात का ध्यान करिये जो आप बनना चाहते हैं।

## विचार मंथन

# महंगाई की मार से त्रस्त जनता, रिजर्व बैंक का जुमले पर जुमला

(लेखक- सनत जैन/)

देश में महंगाई का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। खाद्य तेल, सब्जियाँ, दालें और दवाइयों के दाम आसमान छू रहे हैं। रही सही कसर इंटरनेट के शुल्क ने पूरी कर दी है। टेलीकॉम कंपनियों ने इंटरनेट के रेट बढ़ा दिए हैं। एक ही परिवार में दो से तीन ओसतन स्मार्टफोन हैं। हाल ही में रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने महंगाई पर काबू पाने का भरोसा दिलाते हुए एक जुमला फेंका है। जुमले और ज़मीनी हकीकत कुछ और ही स्थिति बयां कर रही है। विभिन्न खाद्य तेलों जैसे पाम ऑयल, सरसों तेल, सोयाबीन और सूरजमुखी तेल के दामों में 25 से 35 फीसदी का भारी इजाफा हुआ है। इसके साथ ही, टमाटर, प्याज, आलू जैसी आवश्यक सब्जियों के दाम भी आम जनता की पहुँच से बाहर हो रहे हैं। दालों के दाम भी बढ़कर 250 से 300 रुपए प्रति किलो के आसपास पहुँच गए हैं। सिर्फ खाद्य पदार्थ ही नहीं, बल्कि अन्य जरूरी वस्तुएं और सेवाएं भी महंगी होती जा रही हैं। डॉक्टर की फीस, ट्रांसपोर्ट, मोबाइल के दाम और बिजली की दरें सभी में इज़ाफा हो रहा है। लेकिन यह सभी चीजें सरकारी महंगाई दर में सही से परिलक्षित नहीं होतीं, जो आम जनता को भ्रामक लगती हैं। देश में महंगाई से निचले और मध्यम वर्ग का जीवन कठिन होता जा रहा है। राहुल गांधी जैसे नेता भी जब इस समस्या को आम लोगों के बीच जाकर समझने की कोशिश करते हैं, तो वहाँ की स्थिति से यह स्पष्ट होता है कि आम आदमी की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। गरीब और मध्यम वर्ग के लोग अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में ही असफल हो रहे हैं। हालात इतने बुरे हैं कि एक आम नागरिक अपनी रोजी-रोटी भी ढंग से नहीं चला पा रहा है। इन हालातों में, नेस्ले के सीईओ की टिप्पणी की ओर भी ध्यान देना आवश्यक है, जिसमें उन्होंने भारत के मध्यम एवं निम्न वर्ग की आर्थिक तंगी पर चिंता जताई। उन्होंने साफ़ कहा कि देश का मध्यम वर्ग अत्याधिक वित्तीय तंगी में है।

सरकार को लगता है, जनता के पास बहुत पैसा है। यदि जनता को महंगाई और टैक्स से कोई परेशानी होती तो जनता सड़कों पर उतरती। कई राज्यों के विधानसभा हो गए। लोकसभा के चुनाव भी हो गए। यदि महंगाई कोई मुद्दा होती तो इसका असर मतदान में दिखता। इसी कारण सरकार महंगाई और बेरोजगारी को कोई मुद्दा नहीं मानती है। सरकार हर बार महंगाई कम होने का जुमला फेंकती है। आम जनता उसे सही मान लेती है। हाल ही हरियाणा में भाजपा को ऐतहासिक जीत हासिल हुई है। महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव होने वाले हैं। अन्तरराष्ट्रीय बजारों में कच्चे तेल के दाम 35 फीसदी तक घट गए हैं। सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं घटाये हैं। इससे स्पष्ट है, सरकार महंगाई को मुद्दा नहीं मानती है। विपक्ष जरूर चिल्लाता रहता है। यदि महंगाई वास्तव में कोई मुद्दा होता तो जनता सड़कों पर आती। जिस तरह से भाजपा ने हरियाणा का चुनाव जीता है,

उससे स्पष्ट है कि देश में महंगाई कोई मुद्दा नहीं है। यदि है भी तो जनता ने उसे स्वीकार कर लिया है। इसलिये सरकार को जरा भी चिंता नहीं है। जुमलों से काम चल रहा है।

# दीपावली पर सुबह से लेकर रात तक की जरूरी बातें

ब्रह्म पुराण के अनुसार दिवाली पर अर्धरात्रि के समय महालक्ष्मीजी सद्ग्रहस्थों के घरों में विचरण करती हैं। इस दिन घर-बाहर को साफ-सुथरा कर सजाया-संवारा जाता है। दीपावली मनाने से श्री लक्ष्मीजी प्रसन्न होकर स्थायी रूप से सद्गृहस्थ के घर निवास करती हैं। दीपावली धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा महालक्ष्मी पूजन, गोवर्धन पूजा और भाईदूज-इन 5 पर्वों का मिलन है। मंगल पर्व दीपावली के दिन सुबह से लेकर रात तक क्या करें कि महालक्ष्मी का घर में स्थायी निवास हो जाए.आइए जानें विस्तार से. दीपावली के पूजन की संपूर्ण विधियां दी गई हैं। फिर भी संक्षेप में 25 बिंदुओं से जानें कि क्या करें इस दिन -

- प्रात: स्नानादि से निवृत्त हो स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- अब निम्न संकल्प से दिनभर उपवास रहें-

  मम

  सर्वापच्छांतिपूर्वकदीर्घायुष्यबलपुष्टिनैरुज्यादि -

  सकलशुभफल प्राप्त्यर्थं

  गजतुरगरथराज्यैश्वर्यादिसकलसम्पदामुत्तरोत्तराभिवृद्ध्यर्थं इंद्रकुबेरसहितश्रीलक्ष्मीपूजनं करिष्ये।
- दिन में पकवान बनाएं या घर सजाएं। बड़ों का आशीर्वाद लें।
- सायंकाल पुन: स्नान करें।
- लक्ष्मीजी के स्वागत की तैयारी में घर की सफाई करके दीवार को चूने अथवा गेरू से पोतकर लक्ष्मीजी का चित्र बनाएं। (लक्ष्मीजी का चित्र भी लगाया जा सकता है।)
- भोजन में स्वादिष्ट व्यंजन, कदली फल, पापड़ तथा अनेक प्रकार की मिठाइयां बनाएं।
- लक्ष्मीजी के चित्र के सामने एक चौकी रखकर उस पर मौली बांधें।
- इस पर गणेशजी की मिट्टी की मूर्ति स्थापित करें।
- फिर गणेशजी को तिलक कर पूजा करें।
- अब चौकी पर छ: चौमुखे व 26 छोटे दीपक रखें।
- इनमें तेल-बत्ती डालकर जलाएं।
- फिर जल, मौली, चावल, फल, गुड़, अबीर, गुलाल, धूप आदि से विधिवत पूजन करें।
- पूजा के बाद एक-एक दीपक घर के कोनों में जलाकर रखें।
- एक छोटा तथा एक चौमुखा दीपक रखकर निम्न मंत्र से लक्ष्मीजी का पूजन करें-

  नमस्ते सर्वदेवानां वरदासि हरे: प्रिया।
  या गतिस्त्वत्प्रपन्नानां सा मे भूयात्वदर्चनात?

  साथ ही निम्न मंत्र से इंद्र का ध्यान करें-

  ऐरावतसमारूढो वज्रहस्तो महाबल:।
  शतयज्ञाधिपो देवस्तमा इंद्राय ते नम:?

  पश्चात निम्न मंत्र से कुबेर का ध्यान करें-

  धनदाय नमस्तुभ्यं निधिपद्माधिपाय च।
  भवंतु त्वत्प्रसादान्मे धनधान्यादिसम्पद:?
- इस पूजन के पश्चात तिजोरी में गणेशजी तथा लक्ष्मीजी की मूर्ति रखकर विधिवत पूजा करें।
- तत्पश्चात इच्छानुसार घर की बहू-बेटियों को रुपए दें।
- लक्ष्मी पूजन रात के बारह बजे करने का विशेष महत्व है।
- इसके लिए एक पाट पर लाल कपड़ा बिछाकर उस पर एक जोड़ी लक्ष्मी तथा गणेशजी की मूर्ति रखें।
- समीप ही एक सौ रुपए, सवा सेर चावल, गुड़, चार केले, मूली, हरी ग्वार की फली तथा पांच लड्डू रखकर लक्ष्मी-गणेश का पूजन करें।
- उन्हें लड्डुओं से भोग लगाएं।
- दीपकों का काजल सभी स्त्री-पुरुष आंखों में लगाएं।
- फिर रात्रि जागरण कर गोपाल सहस्रनाम पाठ करें।
- व्यावसायिक प्रतिष्ठान, गद्दी की भी विधिपूर्वक पूजा करें।
- रात को बारह बजे दीपावली पूजन के उपरान्त चूने या गेरू में रुई भिगोकर चक्की, चूल्हा, सिल तथा छाज (सूप) पर तिलक करें।
- दूसरे दिन प्रात:काल चार बजे उठकर पुराने छाज में कूड़ा रखकर उसे दूर फेंकने के लिए ले जाते समय कहें - लक्ष्मी-लक्ष्मी आओ, दरिद्र-दरिद्र जाओ।

# दीपावली की रात इन जगहों पर जरूर रखें दीप जलाकर

दीपावली पर अकसर द्वार, तुलसी या पूजा स्थान पर दीपक जलाकर रखे जाते हैं। हालांकि कुछ ऐसी भी जगहें हैं जहां पर कुछ लोग ही दीये जलाकर रखते होंगे। आओ जानते हैं कि दीवाली की रा?त को कितनी जगहों पर दीपक जलाकर रखना चाहिए। जानिए इससे मिलने वाला लाभ के बारे में भी।

1. दिपावली के दिन लक्ष?मी की पूजा करने के लिए एक दीपक जलाया जाता है। वह दीपक पीतल या स्टील का होता है। यह सात मुखी दीपक होता है जिससे माता लक्ष्मी प्रसन्न होती है।
2. कहते हैं कि दीपावली की रात को देवालय में गाय के दूध का शुद्ध घी का दीपक जलाना चाहिए। इससे तुरंत ही कर्ज से छुटकारा मिलता है और आर्थिक तंगी दूर हो जाती है।
3. दीपावली की रात को तीसरा दीया तुलसी के पास जलाया जाता है। आपके घर में तुलसी नहीं है तो और किसी पौधे के पास यह दीया रख सकते हैं। इसे भगवान विष्णु और माता तुली प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं।
4. चौथा दीपक दरवाजे के बाहर दहलीज़ के दाएं और बाएं रखा जाता है और बनाई गई रांगोली के बीच में भी रखते हैं। इसे धन की मनोकामना पूर्ण होती है।
5. पांचवां दीया पीपल के पेड़ के नीचे रखकर आते हैं। इससे यम और शनि के दोष नहीं लगते हैं। साथ ही इससे धन की समस्या भी दूर होती है।
6. छठा दीपक पास के किसी मंदिर में रखना जरूरी होता है। इससे सभी देवी और देवता प्रसन्न होते हैं।
7. सातवां दीपक कचरा रखने वाले स्थान पर रखते हैं। इससे घर की नाकारात्मकता बाहर निकल जाती है।
8. आठवां बाथरूम के कोने में रखते हैं। इससे राहु और चंद्र के दोष समाप्त हो जाते हैं।
9. नौवां दीपक मुंडेर पर या आपके घर में गैलरी हो तो वहां रखते हैं।
10. दसवां घर की दिवारों पर की मुंडेर पर या बॉउंड्रीवाल पर रखते हैं।

# अज्ञान पर ज्ञान की विजय का उत्सव दीपावली

दिवाली, जिसे संपूर्ण विश्व में प्रकाश के त्यौहार के रूप में जाना जाता है, बुराई पर अच्छाई की, अंधकार पर प्रकाश की तथा अज्ञान पर ज्ञान की विजय का त्यौहार है। आज के दिन घरों में रोशनी न केवल सजावट के लिए होती है,किंतु यह जीवन कथा सत्य को भी अभिव्यक्त करती है। प्रकाश अंधकार को मिटा देता है, और जब ज्ञान के प्रकाश से आपके अंदर का अंधकार मिट जाता है, आप में अच्छाई बुराई पर विजय प्राप्त कर लेती हैं।

दिवाली मुख्यत: प्रत्येक हृदय में ज्ञान के प्रकाश को प्रज्वलित करने के लिए मनाई जाती है, प्रत्येक घर में जीवन, प्रत्येक मुख पर मुस्कान लाने के लिए मनाई जाती है।

दिवाली शब्द दीपावली का लघु रूप है, जिस का शाब्दिक अर्थ है प्रकाश की पंक्ति। जीवन के बहुत से पहलुओं तथा स्तर होते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आप उन सभी पर प्रकाश डालें क्योंकि यदि आपके जीवन का एक भी पहलू अंधकार मय होगा तो, आपका जीवन कभी भी पूर्णता अभिव्यक्त नहीं हो सकेगा। इसलिए दिवाली में दीपों की पंक्तियां प्रज्वलित की जाती है कि आपको ध्यान रहे कि आपके जीवन के प्रत्येक पहलू को आपके ध्यान की तथा ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता है।

आपके द्वारा प्रज्वलित प्रत्येक दीप, सदगुण का प्रतीक है।प्रत्येक मनुष्य में सद्गुण होते हैं। कुछ में धैर्य होता है, कुछ में प्रेम, शक्ति, उदारता: अन्य में लोगों को संगठित करने की क्षमता होती है। आप में स्थित प्रकट मूल्य दिए के समान है।जैसे ही वह प्रज्ज्वलित हो जाएं,जागृत हो जाएं,दीवाली है।

केवल एक ही दीप का प्रज्वलित कर संतुष्ट न हो, हजार दीप प्रज्वलित करें। यदि आप में सेवा का भाव है, केवल उससे ही संतुष्ट न हो, अपने में ज्ञान का दीप जलाएं, ज्ञान अर्जित करें। अपने अस्तित्व के सभी पहलुओं को प्रकाशित करें। दिवाली का एक और गुण रहस्य पटाखों के फूटने में है। जीवन में आप कई बार पटाखों के समान होते हैं, अपनी दबी हुई भावनाओं, हताशा तथा क्रोध के साथ फूट पढ़ने के लिए तैयार। जब आप अपने राग-द्वेष, घृणा को दबाये रखते हैं फूट पढ़ने की सीमा पर पहुंच जाता है। पटाखे फोड़ने की क्रिया का प्रयोग हमारे पूर्वजों द्वारा, लोगों की भावनाओं की अभिव्यक्ति देने के लिए, एक मनोवैज्ञानिक अभ्यास के रूप में किया गया। जब आप बाहर विस्फोट देखते हैं तो आप अपने अंदर भी वैसी सम्वेदनाओं का अनुभव करते हैं। विस्फोट के साथ बहुत सा प्रकाश निकलता है। जब आप अपनी दबी हुई भावनाओं से मुक्त होते हैं तब आप खाली हो जाते हैं तथा अपने ज्ञान के प्रकाश का उदय होता है। ज्ञान की सभी जगह आवश्यकता है। यदि परिवार का एक भी व्यक्ति अंधकार में है,आप खुश नहीं रह सकते। अत: आप को अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य में ज्ञान का प्रकाश स्थापित करना होगा। इससे समाज के प्रत्येक सदस्य तक ले जाएं, पृथ्वी के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाएं। जब सच्चा ज्ञान उदित होता है, उत्सव होता है। अधिकतर उत्सव में हम अपनी सजगता अथवा एकाग्रता को देते हैं।उत्सव में सजगता बनाए रखने के लिए, हमारे ऋषि यों ने प्रत्येक उत्सव को पवित्रता तथा पूजा विधियों से जोड़ दिया है। इसलिए दिवाली भी पूजा का समय है। दिवाली का आध्यात्मिक पहलू, उत्सव में गांभीर्य लाता है। प्रत्येक उत्सव में आध्यात्म होना चाहिए क्योंकि आध्यात्म से हीन उत्सव असत ही होता है।

# कैसे करते थे हमारे पूर्वज महालक्ष्मी का आह्वान

पद्मानने पद्मिनी पद्मपत्रे पद्मप्रिये
पद्मदलायताक्षि विश्वप्रिये विश्वमनोनुकूले
त्वत्पादपद्मं मयि सन्निधस्त्व।।

हे लक्ष्मी देवी, आप कमलमुखी, कमलपुष्प पर विराजमान,
कमल दल के समान नेत्रों वाली
कमल पुष्पों को पसंद करने वाली हैं।
सृष्टि के सभी जीव आपकी कृपा की कामना करते हैं,
आप सबको मनोनुकूल फल देने वाली हैं।
आपके चरण सदैव मेरे हृदय में स्थित हों।

विपुल ऐश्वर्य, सौभाग्य, समृद्धि और वैभव की अधिष्ठात्री देवी श्री महालक्ष्मी का पूजन, अर्चन, वंदन स्तवन का पर्व है दीपावली। दीपावली के अगणित दीपों के प्रकाश में विष्णुप्रिया महालक्ष्मी का आह्वान किया जाता है।

अनुपम सौंदर्य और आरोग्य को देने वाली श्री महालक्ष्मी का दीपोत्सव की उजली बेला में आगमन भला कौन नहीं चाहेगा? हमारी संस्कृति में इस पर्व को अति विशिष्ट स्थान प्राप्त है और इस पर्व में महालक्ष्मी का महत्व अतुलनीय है। समुद्र मंथन के पश्चात श्री लक्ष्मी अवतरण से ही इस दैदीप्यमान त्योहार की कहानी आरंभ होती है। ऋग्वेद के दूसरे अध्याय के छठे सूक्त में आनंद कर्दम ऋषि द्वारा श्री देवी को समर्पित वाक्यांश मिलता है। इन्हीं पवित्र पंक्तियों को भारतीय जनमानस ने मंत्र के रूप में स्वीकारा है।

ॐ हिरण्य वर्णा हरिणीं सुवर्णरजस्त्राम
चंद्रा हिरण्यमयी लक्ष्मी जात वेदो म्आवह। अर्थात हरित और हिरण्यवर्णा, हार, स्वर्ण और रजत सुशोभित चंद्र और हिरण्य आभा देवी लक्ष्मी का, हे अग्नि, अब तुम करो आह्वान

इसी मंत्र की आगे सुंदर पंक्तियां हैं

'तामं आवह जात वेदो लक्ष्मी मनपगामिनीम,
यस्या हिरण्यं विदेयं गामश्वं पुरुषानहम
अश्वपूर्वा रथमध्यां हस्तिनाद प्रमोदिनीम,
श्रियं देवी मुपव्हयें श्रीर्मा देवी जुषताम।।

इसका काव्यात्मक अर्थ किया जाए तो इस तरह होगा कि -

'करो आह्वान हमारे गृह अनल, उस देवी श्री का अब, वास हो जिसका सदा और जो दे धन प्रचुर, गो, अश्व, सेवक, सुत सभी, अश्व जिनके पूर्वतर, मध्यस्थ रथ, हस्ति रव से प्रबोधित पथ, देवी श्री का आगमन हो, यही प्रार्थना है!

# दीपोत्सव का समापन दिवस है भाईदूज

शास्त्रों के अनुसार भैयादूज अथवा यम द्वितीया को मृत्यु के देवता यमराज का पूजन किया जाता है। इस दिन बहनें भाई को अपने घर आमंत्रित कर अथवा सायं उनके घर जाकर उन्हें तिलक करती हैं और भोजन कराती हैं। ब्रजमंडल में इस दिन बहनें भाई के साथ यमुना स्नान करती हैं, जिसका विशेष महत्व बताया गया है। भाई के कल्याण और वृद्धि की इच्छा से बहने इस दिन कुछ अन्य मांगलिक विधान भी करती हैं। यमुना तट पर भाई-बहन का समवेत भोजन कल्याणकारी माना जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार इस दिन भगवान यमराज अपनी बहन यमुना से मिलने जाते हैं। उन्हीं का अनुकरण करते हुए भारतीय भ्रातृ परम्परा अपनी बहनों से मिलती है और उनका यथेष्ट सम्मान पूजनादि कर उनसे आशीर्वाद रूप तिलक प्राप्त कर कृतकृत्य होती हैं। बहनों को इस दिन नित्य कृत्य से निवृत्त हो अपने भाई के दीर्घ जीवन, कल्याण एवं उत्कर्ष हेतु तथा स्वयं के सौभाग्य के लिए अक्षत (चावल) कुंकुमादि से अष्टदल कमल बनाकर इस व्रत का संकल्प कर मृत्यु के देवता यमराज की विधिपूर्वक पूजा करनी चाहिए। इसके पश्चात यमभगिनी यमुना, चित्रगुप्त और यमदूतों की पूजा करनी चाहिए। तदंतर भाई के तिलक लगाकर भोजन कराना चाहिए। इस विधि के संपन्न होने तक दोनों को व्रती रहना चाहिए।

दीपोत्सव का समापन दिवस है कार्तिक शुक्ल द्वितीय, जिसे भैयादूज कहा जाता है। इस पर्व के संबंध में पौराणिक कथा इस प्रकार मिलती है। सूर्य की संज्ञा से दो संतानें थीं- पुत्र यमराज तथा पुत्री यमुना। संज्ञा सूर्य का तेज सहन न कर पाने के कारण अपनी छायामूर्ति का निर्माण कर उसे ही अपने पुत्र-पुत्री को सौंपकर वहां से चली गई। छाया को यम और यमुना से किसी प्रकार का लगाव न था, किंतु यम और यमुना में बहुत प्रेम था। यमुना अपने भाई यमराज के यहां प्राय: जाती और उनके सुख-दुख की बातें पूछा करती। यमुना यमराज को अपने घर पर आने के लिए कहती, किंतु व्यस्तता तथा दायित्व बोझ के कारण वे उसके घर न जा पाते थे। एक बार कार्तिक शुक्ल द्वितीय को यमराज अपनी बहन यमुना के घर अचानक जा पहुंचे। बहन यमुना ने अपने सहोदर भाई को बड़ा आदर-सत्कार किया। विविध व्यंजन बनाकर उन्हें भोजन कराया तथा भाल पर तिलक लगाया। यमराज अपनी बहन से बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने यमुना को विधिव भेंट समर्पित की। जब वे वहां से चलने लगे, तब उन्होंने यमुना से कोई भी मनोवांछित वर मांगने का अनुरोध किया। यमुना ने उनके आग्रह को देखकर कहा- भैया! यदि आप मुझे वर देना ही चाहते हैं तो यही वर दीजिए कि आज के दिन प्रतिवर्ष आप मेरे यहां आया करेंगे और मेरा आतिथ्य स्वीकार किया करेंगे। इसी प्रकार जो भाई अपनी बहन के घर जाकर उसका आतिथ्य स्वीकार करे तथा उसे भेंट दें, उसकी सब अभिलाषाएं आप पूर्ण किया करें एवं उसे आपका भय न हो। यमुना की प्रार्थना को यमराज ने स्वीकार कर लिया। तभी से बहन-भाई का यह त्योहार मनाया जाने लगा। वस्तुत: इस त्योहार का मुख्य उद्देश्य है भाई-बहन के मध्य सौमनस्य और सद्भावना का पावन प्रवाह अनवरत प्रवाहित रखना तथा एक-दूसरे के प्रति निष्कपट प्रेम को प्रोत्साहित करना है। इस प्रकार 'दीपोत्सव-पर्व' का धार्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय महत्व अनुपम है।

## भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण विकास अवसरः एसईफॉरऑल

**सुरक्षा में सुधार होगा और आयात पर निर्भरता कम होगी**

**सिंगापुर ।** विएना स्थित एक अंतरराष्ट्रीय सतत विकास एजेंसी के अनुसार भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण विकास अवसर उपलब्ध हैं। सस्टेनेबल एनर्जी फॉर ऑल (एसईफॉरऑल) की निदेशक एवं चीफ ऑफ स्टाफ कनिका चावला ने कहा कि भारत सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा को लेकर गहरी तथा निरंतर प्रतिबद्धता दिखाई है। सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सप्ताह से पहले मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि भारत में अधिक विनिर्माण (नवीकरणीय ऊर्जा) हो रहा है, जिससे सुरक्षा में भी सुधार होगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सप्ताह' का आयोजन 21 से 25 अक्टूबर तक किया गया था। उन्होंने कहा कि भारत विनिर्माण के लिए प्रदर्शन-संबंधी प्रोत्साहन जैसी नीतियों का उपयोग कर रहा है। यह बेहद प्रशंसनीय है और लोगों के लिए ऊर्जा आर्थिक समृद्धि लाता है। उन्होंने कहा कि भारत हिमाचल प्रदेश, कश्मीर और लद्दाख में भूतापीय ऊर्जा के विकल्प भी तलाश रहा है। पवन ऊर्जा के लिए अपतटीय अन्वेषण कार्य जारी है और गुजरात तथा तमिलनाडु में व्यापक विकल्प मौजूद हैं। चावला ने कहा कि भारत अब भी मूल्य के प्रति बहुत संवेदनशील बाजार है, इसलिए नवीकरणीय ऊर्जा इकाइयों की लागत कम करने की आवश्यकता है। उन्होंने हरित हाइड्रोजन मिशन द्वारा निर्धारित प्राथमिकताओं और जारी प्रयासों, जैसे कि अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ साझेदारी तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व्यवस्था का उल्लेख भी किया।

## व्हील्स इंडिया का हाइड्रोलिक्स कारोबार के दो-तीन वर्ष में दोगुना होने की उम्मीदः प्रबंध निदेशक

**- व्हील्स इंडिया को जुलाई-सितंबर 2024 तिमाही में 21.92 करोड़ का मुनाफा हुआ**

**चेन्नई ।** ट्रक, यात्री वाहनों और निर्माण उपकरणों के लिए पहिये बनाने वाली कंपनी व्हील्स इंडिया लिमिटेड को अगले दो-तीन वर्षों में अपने हाइड्रोलिक्स कारोबार को दोगुना करने की उम्मीद है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि व्हील्स इंडिया का हाइड्रोलिक्स व्यवसाय से वर्तमान में कारोबार 150 करोड़ रुपये है। अे धिकारी ने यहां कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन की घोषणा करते हुए कहा` कि हाइड्रोलिक्स व्यवसाय में निर्यात के काफी अवसर हैं। हम वैश्विक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विस्तार कर रहे हैं। हम यूरोप तथा उत्तरी अमेरिका में निर्माता के लिए आपूर्तिकर्ता हैं, हमें अगले दो-तीन वर्षों में हाइड्रोलिक्स व्यवसाय को 150 करोड़ रुपये से अधिक के वर्तमान स्तर से दोगुना करने का भरोसा है। उन्होंने कहा कि व्हील्स इंडिया इस वर्ष पूंजीगत व्यय के लिए 225 करोड़ रुपये की प्रतिबद्धता के साथ अपनी योजना पर आगे बढ़ रहा है। व्हील्स इंडिया लिमिटेड ने जुलाई-सितंबर 2024 तिमाही में 21.92 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही में 5.24 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही में राजस्व 1,085 करोड़ रुपये रहा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 1,189 करोड़ रुपये था।

## अबूधाबी की लुलु रिटेल जल्द ही शेयर बाजार में रखेगी कदम

**नई दिल्ली ।** अनिवासी भारतीय व्यवसायी एम.ए. यूसुफ अली की कंपनी ने खाड़ी क्षेत्र में अपने 1.43 अरब डॉलर (लगभग 12,000 करोड़ रुपये) के आईपीओ की घोषणा की है। अबूधाबी की यह दिग्गज रिटेल कंपनी लुलु रिटेल जल्द ही शेयर बाजार में कदम रखने वाली है। कंपनी अपनी हाइपरमार्केट चेन के लिए मशहूर है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी अपनी विस्तार योजनाओं को और रफ्तार देना चाहती है। आईपीओ के लिए शेयरों की कीमत 1.94-2.04 दिरहम प्रति शेयर तय की गई है। अंतिम कीमत 5 नवंबर को तय होगी। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 5.01-5.27 बिलियन दिरहम (1.36-1.43 अरब डॉलर) जुटाने की उम्मीद कर रही है। कंपनी के शेयर अबूधाबी सिक्योरिटीज एक्सचेंज में लिस्टे ट होंगे। यूसुफ अली केरल के रहने वाले हैं। आईपीओ के बाद यूसुफ अली और उनका परिवार लुलु रिटेल होल्डिंग्स में 60 फीसदी हिस्सेदारी बनाए रखेगा। यूसुफ अली ने 2021 में लुलु इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड में 20 फीसदी हिस्सेदारी अबूधाबी डेवलपमेंटल होल्डिंग कंपनी को बेची थी। छोटे निवेशकों को भी इस आईपीओ में निवेश का मौका मिलेगा। खुदरा निवेशक न्यूनतम 5,000 दिरहम और उसके बाद 1,000 दिरहम के मल्टे टीपल में निवेश करके न्यूनतम 1,000 शेयर खरीद सकते हैं।

# चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन संतोषजनक रहाः वित्त मंत्रालय

**- त्यौहारी सीजन के कारण मांग में अपेक्षित सुधार और सरकारी व्यय में इजाफे से मिल रही है मदद**

**नई दिल्ली ।**

वित्त मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन संतोषजनक रहा, लेकिन आगे मांग की स्थिति को लेकर चिंता बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का परिदृश्य अच्छा है, जिसे स्थिर बाह्य क्षेत्र, सकारात्मक कृषि परिदृश्य, त्यौहारी सीजन के कारण मांग में अपेक्षित सुधार और सरकारी व्यय में इजाफे से मदद मिल रही है। इससे निवेश गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। हालांकि आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा सोमवार को जारी मासिक आर्थिक समीक्षा के सितंबर संस्करण में कहा गया है कि अर्थव्यवस्था में मांग की स्थिति पर नजर रखी जानी चाहिए। उपभोक्ता भावना में नरमी, सामान्य से अधिक वर्षा के कारण सीमित ग्राहक संख्या, तथा मौसमी अवधि के दौरान लोग नई खरीदारी से परहेज करते हैं, के कारण शहरी मांग में कमी आती दिख रही है। इसके अलावा कुछ उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में भू-राजनीतिक संघर्ष बढ़ने, भू-आर्थिक विखंडन गहराने तथा वित्तीय बाजारों में ऊंचे मूल्यांकन से विकास के लिए जोखिम उत्पन्न हो रहे हैं। इसमें कहा गया है कि भारत पर इनके प्रभाव से नकारात्मक संपत्ति प्रभाव पड़ सकता है, घरेलू भावनाएं प्रभावित हो सकती हैं तथा टिकाऊ वस्तुओं पर खर्च करने की मंशा बदल सकती है। दो महीने तक कम मुद्रास्फीति के बाद, उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़ गई, जिसका मुख्य कारण कुछ सब्जियों की आपूर्ति पर अनियमित मानसून का प्रभाव था। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ सब्जियों की कीमतों में तीव्र वृद्धि को छोड़कर मुद्रास्फीति पर पूरी तरह नियंत्रण है। मध्यम अवधि में जलाशयों में पानी बढ़ने और खरीफ फसल की अच्छी बुवाई से कृषि उत्पादन की संभावनाएं बढ़ेंगी इसके अलावा पर्याप्त खाद्यान्न भंडार, मूल्य दबाव को नियंत्रित करने में मददगार होगा।

## एलजी इलेक्ट्रॉनिक का वित्त वर्ष 23-24 में मुनाफा बढ़कर 1,511 करोड़ हुआ

**- 2022-23 में लाभ 1,344.9 करोड़ और परिचालन आय 19,864.6 करोड़ रुपये रही**

**नई दिल्ली।** फ्रिज, टीवी बनाने वाली कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का वित्त वर्ष 2023-24 में मुनाफा 12.35 प्रतिशत बढ़कर 1,511.1 करोड़ रुपये रहा। वित्तीय आंकड़ों के अनुसार कंपनी की परिचालन आय 7.48 प्रतिशत बढ़कर 21,352 करोड़ रुपये हो गई।कंपनी सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध नहीं है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का 2022-23 में लाभ 1,344.9 करोड़ रुपये और परिचालन आय 19,864.6 करोड़ रुपये रही थी। वित्त वर्ष 2023-24 में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया की कुल आय 7.2 प्रतिशत बढ़कर 21,557.1 करोड़ रुपये हो गई, जबकि अन्य आय स्रोतों से उसका राजस्व 16 प्रतिशत घटकर 205.1 करोड़ रुपये रहा। दक्षिण कोरिया स्थित एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी की कर-पूर्व आय 11.9 प्रतिशत बढ़कर 2,037.1 करोड़ रुपये रही। कुल कर व्यय 11.36 प्रतिशत बढ़कर 526 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले यह 472.3 करोड़ रुपये था।एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का कुल खर्च वित्त वर्ष 2023-24 में 6.73 प्रतिशत बढ़कर 19,520 करोड़ रुपये हो गया, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 18,288.3 करोड़ रुपये था। मीडिया की कुछ खबरों के अनुसार इसकी मूल कंपनी तथा दक्षिण कोरिया स्थित चैबोल एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स अपने भारतीय कारोबार के लिए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है।

## अंबुजा सीमेंट्स दूसरी तिमाही का शुद्ध लाभ कम हुआ

मुंबई । अदाणी समूह की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ घटकर 472.89 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का गत वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) का शुद्ध लाभ 987.24 करोड़ रुपये था। अंबुजा सीमेंट्स लि.(एसीएल) ने बताया, जुलाई-सितंबर तिमाही में परिचालन आय 7,516.11 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 7,423.95 करोड़ रुपये था। एसीएल की कुल आय (जिसमें अन्य आय भी शामिल है) दूसरी तिमाही में 7,890.14 करोड़ रुपये रही। समीक्षाधीन तिमाही में कुल व्यय 7,023.49 करोड़ रुपये रहा। अंबुजा सीमेंट्स ने एकल आधार पर जुलाई-सितंबर तिमाही में 500.66 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। एक साल पहले समान तिमाही में यह 643.84 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में एकल परिचालन आय 4,213.24 करोड़ रुपये थी।

# धनतेरस पर बाजार तेजी के साथ बंद

**सेंसेक्स 364 अंक , निफ्टी 127 अंक ऊपर आया**

**मुम्बई ।**

धनतेरस पर घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबार दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। वहीं गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद 30शेयरों पर आधारित बीएसई बीएसई सेंसेक्स 363.99 अंक करीब 0.45 फीसदी बढ़कर 80,369.03 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 127.70 अंक तकरीबन 0.52 फीसदी उछलकर 24,466.85 अंक पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीददारी से बाजार में ये तेजी आई है। आज कारोबार के दौरान आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहींमें मारुति, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर गिरे हैं।

विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 3,228.08 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे जबकि डीआईआई (घरेलू संस्थागत निवेशक) ने 1,400.85 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ के साथ ही ऊपर आया जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान के साथ ही नीचे आया। यूरोप के प्रमुख बाजारों में तेजी रही। अमेरिकी बाजार में बढ़त रही। ब्रेंट क्रूड (कच्चा तेल) 0.66 फीसदी उछलकर 71.89 डॉलर प्रति बैरल रहा। इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिल रहे पॉजिटिव रुझानों के बीच सेंसेक्स और निफ्टी 50 ने कारोबार की शुरुआती मामूली गिरावट के साथ की। शुरुआती कारोबार में, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 21.55 अंक की मामूली गिरावट के साथ 79,983.5 पर खुला। वहीं दूसरी तरफ 50 शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी-50 ने 15 अंक की हल्की गिरावट के साथ 50 24,324 पर कारोबार की शुरुआती की वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखा गया। जापान का निक्की 225 लगभग स्थिर रहा, जबकि टॉपिक्स में 0.3 फीसदी की बढ़त हुई। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.4 फीसदी गिरा, और कोस्डाक में 0.41 फीसदी की गिरावट देखी गई। हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स फ्यूचर्स ने ऊंची शुरुआत का संकेत दिया। कल रात अमेरिकी शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 273.17 अंक की बढ़त के साथ 42,387.57 पर बंद हुआ, जबकि एसएंडपी 500 15.4 अंक चढ़कर 5,823.52 पर पहुंच गया। नैस्डैक कंपोजिट 48.58 अंक की बढ़त के साथ 18,567.19 पर बंद हुआ।

# जेएसडब्ल्यू समूह दक्षिण कोरिया के पॉस्को समूह के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करेगा

**- बैटरी सामग्री व नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में अवसर तलाशने दोनों मिलकर काम करेंगे**

**नई दिल्ली ।**

जेएसडब्ल्यू समूह ने भारत में 50 लाख टन प्रतिवर्ष क्षमता का संयंत्र विकसित करने तथा बैटरी सामग्री व नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में अवसर तलाशने के लिए दक्षिण कोरिया स्थित पॉस्को समूह के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने की मंगलवार को घोषणा की। जेएसडब्ल्यू समूह ने कहा कि जेएसडब्ल्यू समूह ने भारत में इस्पात, बैटरी सामग्री व नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग की रूपरेखा तैयार करते हुए पॉस्को समूह के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। बयान में कहा गया, दोनों पक्ष इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) से संबंधित बैटरी सामग्री तथा प्रस्तावित एकीकृत इस्पात संयंत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं तलाशेंगे। जेएसडब्ल्यू समूह के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि पॉस्को के साथ यह समझौता ज्ञापन भारतीय इस्पात उद्योग में योगदान देने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में भारत सतत विकास के लिए जबरदस्त अवसर प्रस्तुत करता है और पॉस्को के साथ हमारी साझेदारी उस बदलाव को आगे बढ़ाने के लिए जेसीडब्ल्यू की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि साथ मिलकर हमारा लक्ष्य

प्रौद्योगिकी और स्थिरता में एक ऐसा मानक स्थापित करना है जो भारत तथा उसके बाहर विनिर्माण के भविष्य को आकार दे सके। यह साझेदारी भारत में 50 लाख टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की प्रारंभिक क्षमता वाले एक एकीकृत इस्पात संयंत्र की स्थापना पर केंद्रित होगी।

## इंडियन बैंक का दूसरी तिमाही का मुनाफा 36 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई । निजी क्षेत्र के इंडियन बैंक का सितंबर, 2024 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही का मुनाफा 36 प्रतिशत बढ़कर 2,707 करोड़ रुपये रहा है। चेन्नई स्थित बैंक ने एक साल पहले इसी तिमाही में 1,988 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। इंडियन बैंक ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 17,770 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 15,736 करोड़ रुपये थी। बैंक ने समीक्षाधीन तिमाही के दौरान 15,348 करोड़ रुपये की ब्याज आय दर्ज की, जबकि एक साल पहले सामान अवधि में आय 13,743 करोड़ रुपये थी। शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) पिछले वर्ष की दूसरी तिमाही के 5,741 करोड़ रुपये से आठ प्रतिशत बढ़कर 6,194 करोड़ रुपये हो गई। बैंक ने सकल गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) में सुधार देखा, जो सितंबर, 2024 के अंत में सकल ऋण पर घटकर 3.48 प्रतिशत रह गईं। एक साल पहले यह आंकड़ा 4.97 प्रतिशत था। इसी तरह, शुद्ध एनपीए पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के अंत के 0.60 प्रतिशत से घटकर सितंबर, 2024 के अंत में 0.27 प्रतिशत पर आ गया।

# रिटर्न के मामले में क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन ने सोने को भी छोड़ा पीछे

**- बिटकॉइन की कीमत 70 हजार डॉलर लगभग 60 लाख रुपए के पार**

**मुंबई ।** धनतेरस पर काफी लोग सोना खरीदते हैं। पिछले कुछ वर्षों में सोना अच्छा रिटर्न दे रहा है, हालांकि इस बार क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन ने बाजार में धूम मचा रखी है। इसने सोने को भी पीछे छोड़ दिया है। इस करेंसी ने एक साल में दोगुने से ज्यादा रिटर्न दिया है। इस समय बिटकॉइन की कीमत 70 हजार डॉलर (लगभग 60 लाख रुपए) के पार पहुंच गई है, जो कि इसके उच्च स्तर के करीब है। इसका सर्वकालिक उच्च मूल्य इसी साल 1 मार्च को 73,798 डॉलर (करीब 62 लाख रुपए) तक पहुंचा था। पिछले एक साल में सोने ने लगभग 29 फीसदी रिटर्न दिया है, जबकि बिटकॉइन ने करीब 108 फीसदी का रिटर्न दिया है। एक साल पहले एक बिटकॉइन की कीमत करीब 28.73 लाख रुपए थी, जो अब बढ़कर 59.74 लाख रुपए हो गई है। इस प्रकार, बिटकॉइन ने अपने निवेश को एक साल में दोगुना से ज्यादा कर दिया है। विशेषज्ञ बिटकॉइन की कीमत में वृद्धि को अमेरिकी चुनावों से जोड़ते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप जो रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं, ने अपनी चुनावी मुहिम के दौरान डिजिटल करेंसी का समर्थन किया था। यदि ट्रंप चुनाव जीतते हैं, तो इससे क्रिप्टोकरेंसी को एक नई गति मिल सकती है। हालांकि, अनेक सर्वेक्षणों में ट्रंप को डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस से टक्कर मिल रही है। क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडर्स का मानना है कि भले ही ट्रंप या हैरिस में से कोई भी चुनाव जीते, बिटकॉइन की कीमत नवंबर के अंत तक 80 हजार डॉलर तक पहुंच सकती है। यदि ऐसा होता है, तो यह बिटकॉइन का नया उच्च स्तर होगा। इस प्रकार धनतेरस पर जब सोने की खरीदारी चल रही है, तो निवेशक बिटकॉइन की ओर भी ध्यान दे रहे हैं, जो कि अब एक संभावित और आकर्षक निवेश विकल्प बन चुका है।

## धनतेरस के दिन भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

**- दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर, डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर**

**नई दिल्ली ।**

तेल कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की ताजा कीमतें जारी कर दी हैं। गौरतलब है कि पेट्रोल-डीजल के दाम आखिरी बार मार्च 2024 में संशोधित हुए थे, उसके बाद से इनकी कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मंगलवार को भी पेट्रोल और डीजल की दरें स्थिर बनी हुई हैं। देश के प्रमुख शहरों में मंगलवार को पेट्रोल-डीजल के भाव इस प्रकार हैं- दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर, डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 प्रति लीटर, डीजल 89.97 प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 प्रति लीटर, डीजल 91.76 प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 प्रति लीटर, डीजल 92.34 रुपए प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.83 प्रति लीटर, डीजल 87.96 प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 प्रति लीटर, डीजल 88.05 प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.86 प्रति लीटर, डीजल 88.94 प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 प्रति लीटर, डीजल 82.40 प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 प्रति लीटर, डीजल 95.65 प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 प्रति लीटर, डीजल 90.36 प्रति लीटर और 0टना में पेट्रोल 105.18 प्रति लीटर, डीजल 92.04 रुपए प्रति लीटर है।

## आय बढ़ी फिर भी 4000 करोड़ के नुकसान में फ्लिपकार्ट

**- कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 में 4,897 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया था**

**नई दिल्ली।**

देश की दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट हर दिन लाखों के उत्पादों की बिक्री करती है, त्योहारी सीजन के दौरान तो बिक्री का आंकड़ा करोड़ों में पहुंच जाता है, इसके बावजूद भी यह कंपनी घाटे में रहती है। एक बार फिर फ्लिपकार्ट घाटे में रही। हालांकि कंपनी का नुकसान बीते वित्त वर्ष 2023-24 में कम होकर 4,248.3 करोड़ रुपये रह गया है। टॉफलर द्वारा शेयर की गई एक रेगुलेटरी रिपोर्ट से यह पता चला है। कंपनी को मुख्य रूप से आमदनी बढ़ने से कंपनी का घाटा कम हुआ है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 में 4,897 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया था। वित्त वर्ष 2023-24 में 'स्टॉक इन ट्रेड' की खरीद पर कंपनी का खर्च लगभग 24 प्रतिशत बढ़कर 74,271.2 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 59,816.6 करोड़ रुपये था। फ्लिपकार्ट का इक्विटी पर रिटर्न पिछले पांच साल के सबसे निचले स्तर पर घटकर नकारात्मक 49.6 प्रतिशत हो गया। कंपनी के लिए नियोजित पूंजी पर रिटर्न भी पिछले पांच वित्तीय वर्षों में सबसे कम

54.09 प्रतिशत रहा। वॉलमार्ट समूह की कंपनी का एकीकृत राजस्व 2022-23 के 55,823.9 करोड़ रुपये से 2023-24 में लगभग 26 प्रतिशत बढ़कर 70,541.90 करोड़ रुपये हो गया। फ्लिपकार्ट को भेजे ईमेल का तत्काल कोई जवाब नहीं मिला था। फ्लिपकार्ट और अमेजन जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को लेकर खुदरा व्यापारियों में काफी गुस्सा है। व्यापारी संगठनों ने बताया कि आखिर कैसे ये कंपनियां प्रोडक्ट्स पर डिस्काउंट देती हैं। व्यापारियों का आरोप है कि फ्लिपकार्ट और अमेजन, अवास्तविक मूल्य निर्धारण के चलते, बंपर डिस्काउंट दे रहे हैं और इससे होने वाले घाटे को लेकर उन्हें वित्तीय मदद मिल रही है, वे जो भी निवेश ला रहे हैं, उसका इस्तेमाल नकदी खर्च करने और भारत में अपने ऑपरेशन के दौरान होने वाले घाटे को पूरा करने के लिए किया जा रहा है।

# आईओसी के मुनाफे में आई भारी गिरावट

**दूसरी तिमाही में मुनाफा लगभग खत्म हो गया**

**नई दिल्ली ।**

भारतीय आइल कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) के मुनाफे में भारी गिरावट आई है। कंपनी का यह मुनाफा सितंबर 2024 में समाप्त दूसरी तिमाही में यह लगभग खत्म हो गया है। बीते वर्ष इस तिमाही में कंपनी का मुनाफा 12,967 करोड़ रुपये का था। यह इस बार 99 प्रतिशत गिरकर सिर्फ 180 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी की आय में भी साल-दर-साल 4प्रतिशत की गिरावट देखी गई। यह पिछले साल के 2.02 लाख करोड़ रुपये से घटकर 1.95 लाख करोड़ रुपये रह गई। आईओसी का कहना है कि मॉनसून के मौसम में ईंधन की मांग में आई कमी और ग्लोबल कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण मुनाफे में यह भारी गिरावट आई है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन भारत की सबसे बड़ी तेल और गैस कंपनियों में से एक है।

यह देश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, पेट्रोकेमिकल्स और अन्य तेल उत्पादों की सबसे बड़ी प्रोड्यूसर और डिस्ट्रीब्यूटर है। आईओसी ने जुलाई-सितंबर 2024 की तिमाही में 3,773 करोड़ रुपये का ईबीटडा दर्ज किया। वहीं, ईबीटडा मार्जिन 2.17प्रतिशत रहा। पिछली तिमाही (जून 2024) की तुलना में कंपनी का मुनाफा 93प्रतिशत कम हुआ है। जबकि आय में 10प्रतिशत की गिरावट आई है। कुल खर्च में भी बढ़ोतरी हुई है। यह पिछले साल की इसी अवधि के 1.86 लाख करोड़ रुपये की तुलना में बढ़कर 1.97 लाख करोड़ रुपये हो गया है। आईओसी का ग्रॉस रिफाइनिंग मार्जिन अप्रैल-सितंबर 2024 की अवधि के लिए घटकर 4.08 डॉलर प्रति बैरल रह गया। वहीं, पिछले साल इसी अवधि में यह 13.12 डॉलर प्रति बैरल था। जीआरएम कच्चे तेल को पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में बदलने से होने वाले लाभ को मापता है।

वैश्विक स्तर पर, सितंबर में समाप्त तिमाही में कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 17प्रतिशत की गिरावट आई है। समेकित आधार पर, आईओसी ने दूसरी तिमाही में 449 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा दर्ज किया। जबकि पिछले साल इसी तिमाही में 13,713 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। सोमवार को एनएसई पर आईओसी के शेयर 0.4प्रतिशत की गिरावट के साथ 145.74 रुपये पर बंद हुए।

# 16 साल की उम्र में कैंसर को हराया, ऑस्ट्रेलिया के कलर ब्लाइंड क्रिकेटर ने संन्यास लिया

**मेलबर्न, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने मंगलवार (29 अक्टूबर) को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। वह पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की व्हाइट बॉल सीरीज में सहायक कोच की भूमिका में दिखेंगे। वह ऑस्ट्रेलिया के फील्डिंग और विकेटकीपिंग कोच होंगे। हाल ही में उन्होंने लेवल 3 कोचिंग का सर्टिफिकेट हासिल किया है।

2021 टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में वेड की पारी को हमेशा याद किया जाएगा। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को संकट से उबारकर जीत दिला दी थी। फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर ऑस्ट्रेलिया पहली बार टी20 चैंपियन बना था। वेड का जीवन संघर्षों से भरा है। उन्हें 16 साल की उम्र में कैंसर हो गया था। वह कलर ब्लाइंड भी हैं। इसके अलावा बढ़ई और प्लंबर का काम किया है।

### 16 साल की उम्र में कैंसर और प्लंबर का काम

मैथ्यू वेड 16 साल के थे जब उन्हें संयोग से पता चला कि उन्हें अंडकोष का कैंसर है। फुटबॉल मैच के दौरान उन्हें ग्रोइन इंजरी हो गई थी। इसके इलाज के दौरान उन्हें यह बुरी खबर मिली। उनका 2 बार कीमोथेरेपी हुआ। जब कैंसर का इलाज चल रहा था तो उन्हें लगा कि वह खेल नहीं सकते। इसलिए उन्होंने प्लंबर की ट्रेनिंग ली।

वेड कलर ब्लाइंड हैं यानी उन्हें रंग में अंतर समझने में दिक्कत होती है। इस वजह से उन्हें डेनाइट क्रिकेट में विशेषकर गुलाबी गेंद से खेलने में परेशानी होती है। इसे लेकर उन्होंने एक बार बताया था, कई बार यह पता लगाने में थोड़ा समय लगता है कि गेंद कहां से आ रही है। मैं गेंद का रंग देख सकता हूं, इसलिए मैं उसे पीक कर लेता हूं।÷ पूर्व ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट ओपनर बल्लेबाज क्रिस रोजर्स भी कलर ब्लाइंड थे और उन्होंने 2014 में पिंक बॉल वाले मैच से अपना नाम वापस ले लिया था।

### बढ़ई का काम और बच्चे का जन्म समय से पहले करवाना

2018 में जब टीम से बाहर होने के बाद वेड ने बढ़ई का काम शुरू किया और 9-10 महीने तक काम किया। अगर उनकी पत्नी न होती तो शायद ही उनकी ऑस्ट्रेलिया की टीम में उनकी वापसी हो पाती। जब उन्हें एशेज से पहले 'ए' दौरे के लिए चुना गया तो उन्होंने अपनी पत्नी जूलिया को फोन करके बताया कि वे चयनकर्ताओं को बता देंगे कि वे नहीं चुने जाना चाहते। लेकिन उनकी पत्नी के मन में कुछ और ही चल रहा था। उन्होंने अपने डॉक्टर को फोन करके तय समय से पहले ही बच्चे का जन्म कराने को कहा।

# न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में डेब्यू कर सकते हैं हर्षित राणा!

**मुंबई, एजेंसी।** टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज गंवा दी है और अब तीसरे मैच में कमबैक करने के लिए अपनी पूरी जान लगा रही है। इस क्रम में टीम में एक बड़ा बदलाव किया है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। मुंबई टेस्ट 1 नवंबर से खेला जाएगा। दिल्ली के 22 वर्षीय तेज गेंदबाज, जिन्होंने मौजूदा सत्र में गेंद और बल्ले दोनों से प्रभावित किया है, शुक्रवार को टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू कर सकते हैं। वह दिल्ली के लिए राउंड चार के मैचों में नहीं खेल पाएंगे और मंगलवार शाम को मुंबई के लिए रवाना होंगे।

टेस्ट टीम में युवा तेज गेंदबाज का

चयन भारत के घरेलू सर्किट में अच्छे खिलाड़ियों के दमदार प्रदर्शन को दर्शाता है। पुणे में न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में सीरीज हारने से एक दिन पहले, उन्हें ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए 18 सदस्यीय टीम में भी शामिल किया गया था।

राणा को दिल्ली की ओर से असम के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के तीसरे दौर के मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद टीम में शामिल किया गया है। इससे पहले, उन्हें मैच अभ्यास के लिए राष्ट्रीय टीम के साथ यात्रा करने वाले रिजर्व खिलाड़ी की भूमिका से फ्री कर दिया गया था। अरुण जेटली स्टेडियम में राणा ने अपनी ऑलराउंडर क्षमता का परिचय देते हुए पांच विकेट लिए और बल्ले से एक महत्वपूर्ण अर्धशतक (59) भी जड़ा। उनके प्रयासों से दिल्ली ने 10 विकेट से शानदार जीत हासिल की और एक महत्वपूर्ण बोनस अंक अर्जित किया।

उनकी गति और सटीकता ने चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया, जिससे उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ भारत की टी20 टीम में जगह मिली। हालांकि उन्होंने उस सीरीज में डेब्यू नहीं किया, लेकिन राणा ने अपनी क्षमता साबित करना जारी रखा। श्रृंखला में 2-0 से पिछड़ रही भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के महत्वपूर्ण दौरे पर रवाना होने से पहले मुंबई में जीत दर्ज करना चाहेगी।

## रोड्री ने जीता बैलोन डीओर का खिताब, रियल मैड्रिड ने समारोह का बहिष्कार किया

**पेरिस, एजेंसी।** मैनचेस्टर सिटी और स्पेन के मिडफील्डर रोड्री को लगातार चौथा प्रीमियर लीग खिताब और यूरो 2024 जीतने के बाद सोमवार को पुरुषों के बैलन डीओर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। हालांकि, रियल मैड्रिड फुटबॉल क्लब ने समारोह का बहिष्कार किया। रोड्री को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए पुरस्कार देने का फैसला आश्चर्यजनक के रूप में आया। रियल मैड्रिड के लीगा और चैंपियंस लीग डबल विजेता विनिसियस जूनियर को व्यापक रूप से पसंदीदा के रूप में देखा गया था। पेरिस में समारोह से कुछ घंटे पहले, स्पेनिश क्लब ने घोषणा की कि उसका प्रतिनिधिमंडल चैटलेट थिएटर में समारोह में भाग नहीं लेगा क्योंकि इसे विनिसियस के बहिष्कार के रूप में देखा जाएगा।

28 वर्षीय रोड्री ने प्रीमियर लीग के पिछले सीजन में सिटी को आर्सेनल से जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके अलावा यूरो 2024 में उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट नामित किया गया था। जर्मनी में खेले गए यूरो कप में स्पेन ने खिताब जीता था। इससे पहले समारोह से कुछ घंटे पहले ही ड्रामा शुरू हो गया जब स्पेनिश और यूरोपीय चैंपियन रियल ने कहा कि अगर विनिशियस विजेता नहीं होते हैं तो यह पुरस्कार उनके साथी दानी कार्वाजल को दिया जाना चाहिए।ब्राजील के कार्वाजल ने वेम्बले में चैंपियंस लीग फाइनल में बोरुसिया डॉर्टमंड के खिलाफ 2-0 की जीत में गोल किया था। विनिसियस ने मैड्रिड के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 39 मैचों में 24 गोल किए और 11 असिस्ट किए। विनिसियस की मदद से क्लब ने तीन खिताब जीते थे। रियल मैड्रिड ने एएफपी से कहा, अगर पुरस्कार मानदंड विजेता के रूप में विनिसियस को नहीं चुनता है, तो उन्हीं मानदंडों को कार्वाजल को विजेता के रूप में इंगित करना चाहिए। मैड्रिड के नामांकितों में किलियन एमबाप्पे, एंटोनियो रुडिगर, फेडे वाल्वरडे और जूड बेलिंघम भी शामिल थे। बैलोन डीओर के विजेता को 100 विशेषज्ञ पत्रकारों की एक अंतरराष्ट्रीय जूरी द्वारा शॉर्टलिस्ट से चुना जाता है। वहीं, मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला ने रोड्री को सर्वश्रेष्ठ के रूप में वर्णित किया है। उनके गोल ने सिटी को 2023 में अपना पहला चैंपियंस लीग खिताब दिलाया था, लेकिन उन्होंने स्पेन के लिए महत्वपूर्ण गोल भी किए।

## भारत के खिलाफ तीसरा टेस्ट भी नहीं खेलेंगे केन विलियमसन

**वेलिंगटन, एजेंसी।** ग्रोइन इंजरी से जूझ रहे केन विलियमसन भारत के ख़िलाफ़ 1 नवंबर से मुंबई में शुरू हो रहे तीसरे और अंतिम टेस्ट में भी नहीं खेलेंगे। न्यूज़ीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने कहा है कि इंग्लैंड के ख़िलाफ़ आगामी तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में विलियमसन की फ़िटनेस सुनिश्चित करने के कारणवश कीवी बल्लेबाज़ तीसरे टेस्ट के लिए भारत नहीं जाएंगे।न्यूज़ीलैंड के कोच गैरी स्टीड के हवाले से एनजेडसी ने कहा, केन की स्थिति में काफ़ी सुधार हुआ है लेकिन इस समय वह हमारे साथ जुड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। इसलिए हमारे विचार में उन्हें अभी न्यूज़ीलैंड में रिहैब करना चाहिए ताकि वह इंग्लैंड के ख़िलाफ़ श्रृंखला के लिए तैयार हो सकें।इंग्लैंड के ख़िलाफ़ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला क्राइस्टचर्च में 28 नवंबर से शुरू होने वाली है। विलियमसन को यह चोट श्रीलंका दौरे के दौरान लगी थी जिसके चलते विलियमसन भारत के ख़िलाफ़ पहले दो टेस्ट मैचों का भी हिस्सा नहीं बन पाए थे।

रणजी ट्रॉफी

# महाराष्ट्र की दमदार जीत मेघायल को 10 विकेट से हराया

**औरंगाबाद, एजेंसी।** गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद मुर्तजा ट्रंकवाला (नाबाद 78) की पारी के दम पर महाराष्ट्र ने रणजी ट्रॉफी के ग्रुप ए मुकाबले में मेघायल को 10 विकेट से हरा दिया है। दूसरी पारी में महाराष्ट्र के मुर्तजा ट्रंकवाला और सिद्धेश वीर की सलामी जो?ी ने शानदार बल्लेबाजी मुजाहिरा करते हुए 21.1 ओवर में 104 रन बनाकर अपनी टीम को दस विकेट से जीत दिला दी। मुर्तजा ट्रंकवाला (नाबाद 78) और सिद्धेश वीर (24) रन पर नाबाद रहे।

दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी मेघायल की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसके बल्लेबाज मुकेश चौधरी की गेंदबाजी के आगे बेबस दिखे। एक समय मेघालय ने 50 के स्कोर तक अपने पांच विकेट गवां दिए थे। सुमित कुमार ने सर्वाधिक (45) रन बनाए। बालचंदर अनिरुद्ध (36), आकाश चौधरी (26) रन बनाकर आउट हुये।

मेघायल की पूरी टीम 55.5 ओवर में 185 के स्कोर पर सिमट गई। महाराष्ट्र को जीत के लिए 100 रनों का लक्ष्य मिला। महाराष्ट्र की ओर से मुकेश चौधरी ने चार विकेट लिये। रजनीश गुरबानी और प्रदीप दाढ़े को दो-दो विकेट मिले। हितेश वालुंज ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

मेघायल के 276 रनों के जवाब में महाराष्ट्र के हर्षल काटे (128), अजीम काजी (66), मंदार भंडारी (73), रजनीश गुरबानी (26) और सिद्धेश वीर (26) रनों के योगदान से 106.2 ओवर में 361 का स्कोर ख?ा किया। इसी के साथ ही महाराष्ट्र को पहली पारी के आधार पर 85 रनों की बढ़त मिल गई। मेघायल की ओर से आकाश चौधरी ने चार विकेट लिए। अजय दुहान को दो विकेट मिले। चेंगकाम संगमा, दीपू संगमा और आर्यन बोरा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले महाराष्ट्र ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने के फैसले को सही साबित करते हुए मेघायल की टीम को पहली पारी में 88.3 ओवर में 276 के स्कोर पर रोक दिया था। बालचंद्र अनिरुद्ध ने (142) रनों की शतकीय पारी खेली। अजय दुहान ने (34), बामनभा शांगप्लियांग (33), किशन लिंगदोह और (22) रनों की पारी खेली थी। महाराष्ट्र की ओर से मुकेश चौधरी ने चार विकेट लिये। रजनीश गुरबानी को तीन विकेट मिले। प्रदीप दाढ़े, सिद्धेश वीर और हितेश वालुंज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

## फाइनल तक नहीं पहुंचने का दुख लेकिन कांस्य जीतने की खुशी, जूनियर हॉकी टीम के कप्तान का बयान

**नईदिल्ली, एजेंसी।** भारत पूरे टूर्नामेंट में अंकों के आधार पर शीर्ष पर रहा लेकिन आस्ट्रेलिया से 0-4 से हार के बाद गोल औसत में ब्रिटेन से एक गोल से पिछड़कर फाइनल में जगह नहीं बना सका। भारतीय जूनियर पुरूष हॉकी टीम के कप्तान आमिर अली ने स्वीकार किया कि सुल्तान जोहोर कप के फाइनल के लिये क्वालीफाई नहीं कर पाने से वह दुखी हैं लेकिन कहा कि खाली हाथ लौटने से कांस्य पदक काफी अच्छा है। भारत ने तीसरे और चौथे स्थान के मुकाबले में न्यूजीलैंड को शूटआउट में हराकर मलेशिया के जोहोर बाहरू में हुए जूनियर टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीता।

अली ने कहा, गोल औसत के आधार पर फाइनल से बाहर रहने का हमें दुख है, लेकिन एक टीम के रूप में हमने तय किया कि पीछे मुड़कर देखने का कोई फायदा नहीं है। हमने कांस्य पदक के मुकाबले पर फोकस करने का फैसला किया और खुद से वादा किया कि हम खाली हाथ नहीं लौट सकते। भारत पूरे टूर्नामेंट में अंकों के आधार पर शीर्ष पर रहा लेकिन आस्ट्रेलिया से 0-4 से हार के बाद गोल औसत में ब्रिटेन से एक गोल से पिछड़कर फाइनल में जगह नहीं बना सका। जूनियर टीम के कोच के तौर पर महान गोलकीपर पी आर श्रीजेश का यह पहला टूर्नामेंट था। अली ने कहा, हमें श्री भाई ( श्रीजेश) से बेहतर मेंटोर नहीं मिल सकता था।

## बाबर की वजह से गैरी कर्स्टन ने दिया पद से इस्तीफा, ये खिलाड़ी बन सकता है पाकिस्तान वनडे-टी20 टीम का कोच!

**लाहौर, एजेंसी।** पाकिस्तान क्रिकेट में हाई वोल्टेज ड्रामा फिर से चालू है और सभी क्रिकेट फैंस उसे बस देख रहे हैं। ऐसा पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान क्रिकेट में इस तरह का उथल-पुथल मचा हुआ हो, ऐसा पहले भी हो चुका है। ताजा घटनाक्रम में पाकिस्तान के वनडे और टी20 टीम के नए कोच गैरी कर्स्टन ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और इसके बाद फिलहाल के लिए ये जिम्मेदारी टेस्ट कोच जेसन गिलेस्पी को दे दिया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि गैरी की जगह अब इस टीम के नए कोच सकलैन मुश्ताक बन सकते हैं। वहीं कुछ रिपोर्ट सामने आई हैं जिसके मुताबिक गैरी ने ये कदम बाबर आजम की वजह से उठाया था।

गैरी ने कोच पद से आखिर क्यों इस्तीफा दिया इसका खुलासा क्रिकेट पाकिस्तान ने किया है। क्रिकेट पाकिस्तान की रिपोर्ट के मुताबिक गैरी के हेड कोच पद से इस्तीफा देने के फैसले के पीछे बाहर आजम सबसे मुख्य कारण थे। ऐसा इस

वजह से है कि बाबर आजम को खेलने को लेकर गैरी और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के बीच असहमति थी। रिपोर्ट के मुताबिक गैरी कर्स्टन और जेसन गिलेस्पी चाहते थे कि जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे और टी20आई सीरीज के लिए बाबर आजम को आराम नहीं दिया जाए। इनका मानना था कि बाबर अगर इस सीरीज में खेलते हैं तो इससे उन्हें साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए कंडीशन में अभ्यस्त होने का पूरा मौका मिलेगा।

# विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर क्यों ब्लॉक किया, मैक्सवेल ने उस वजह का खुलासा किया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने खुलासा किया कि 2017 में भारत में आयोजित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान उनके कंधे की चोट का मजाक उड़ाने पर स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने उन्हें ब्लॉक कर दिया था। मैक्सवेल ने एक पॉडकास्ट में बोलते हुए खुलासा किया कि जब वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) कैंप में शामिल हुए तो भारतीय सुपरस्टार ने उनका बहुत अच्छा स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण शिविर में अपने तत्कालीन कप्तान के साथ बातचीत करने के बाद उन्होंने उन्हें सोशल मीडिया पर खोजने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं मिले।

मैक्सवेल ने कहा, ब मुझे पता चला कि मैं आरसीबी में जा रहा हूं, तो विराट मुझे मैसेज करने वाले और टीम में मेरा स्वागत करने वाले पहले व्यक्ति थे। जब मैं आईपीएल से पहले के प्रशिक्षण शिविर में गया, तो जाहिर तौर पर हम बातचीत करने लगे और साथ में काफी समय प्रशिक्षण में बिताया। इसलिए मैं उन्हें फॉलो करने के लिए उनके सोशल मीडिया पर जाता हूं। इससे पहले मैंने इसके बारे में सोचा भी नहीं था। मेरे दिमाग में कभी ऐसा नहीं आया। मैं ऐसा था कि उन्हें ढूंढ नहीं पा रहा हूं।

उन्होंने खुलासा किया कि किसी ने उनसे कहा कि विराट ने शायद उन्हें ब्लॉक कर दिया है और उनसे पूछने पर पता चला कि यह सच था। ऐसा इसलिए था क्योंकि मैक्सवेल ने रांची में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट के दौरान विराट की कंधे की चोट का मजाक उड़ाया था। मैक्सवेल ने कहा, मुझे यकीन है कि वह कहीं न कहीं सोशल मीडिया पर हैं, इसलिए मैंने इसके बारे में कुछ नहीं सोचा। ऐसा नहीं है कि शायद उन्हें इंस्टाग्राम का ज्ञान नहीं है। मुझे समझ में नहीं आया कि वह क्यों नहीं आ रहे हैं और फिर किसी ने कहा कि शायद उन्होंने आपको ब्लॉक कर दिया है। यही एकमात्र तरीका है जिससे आप उन्हें ढूंढ नहीं पा रहे हैं। मैंने सोचा कि निश्चित रूप से ऐसा नहीं है। मैक्सवेल ने कहा, फिर मैं उसके पास गया और उससे पूछा क्या तुमने मुझे इंस्टाग्राम पर ब्लॉक कर दिया है? और उसने कहा, हां शायद। यह तब हुआ जब तुमने उस टेस्ट मैच के दौरान मेरा मजाक उड़ाया था। मैंने कहा हां, यह काफी सही है। तो हां, उसने मुझे अनब्लॉक कर दिया और उसके बाद हम अच्छे दोस्त बन गए।

आरसीबी में शामिल होने के बाद से मैक्सवेल ने फ्रैंचाइजी के लिए 52 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 28.77 की औसत और 159.25 की स्ट्राइक रेट से 1,266 रन बनाए हैं जिसमें 78 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ टीम के लिए 12 अर्द्धशतक भी शामिल हैं। गुरुवार को आईपीएल रिटेंशन की घोषणा की जाएगी, सभी की निगाहें आरसीबी पर होंगी कि क्या मैक्सवेल को उनके द्वारा रिटेन किया जाता है या नहीं।

# सरदार पटेल की जयंती से पहले बारडोली स्वराज आश्रम में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया गया

सूरत। अखंड भारत के निर्माता, लौह पुरुष, भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर च्राष्ट्रीय एकता दिवसज से पहले, सूरत जिला प्रशासन ने बारडोली स्वराज आश्रम में सुबह-सुबह एकता दौड़ का आयोजन किया। विधायक श्री ईश्वरभाई परमार की अध्यक्षता में। विधायक व गणमान्य लोगों ने हरी झंडी दिखाकर एकता दौड़ की शुरुआत की. साथ ही उन्होंने अन्य धावकों को भी एकता दौड़ में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया.

इस अवसर पर विधायक श्री ईश्वरभाई परमार ने गुजरात के दिवंगत सरदार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सरदार साहब आधुनिक और भारत के संस्थापकों में से एक थे। सरदार साहब ने अपना पूरा जीवन देश को एकजुट करने के लिए आखिरी सांस तक लड़ते हुए समर्पित कर दिया था। सरदार साहब ने राष्ट्रहित के लिए कुछ कठोर और दूरगामी फैसले लिए और एक भारत का निर्माण किया। यदि सरदार पटेल न होते तो जूनागढ़ आज एक अलग देश होता। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निर्माण सहित अनेक अथक प्रयासों का परिणाम है कि आज पूरी दुनिया सरदार साहब की सफलता की कहानी जान चुकी है। उन्होंने सरदार पटेल के आदर्श जीवन से प्रेरणा लेकर एक जिम्मेदार नागरिक बनने की अपील की।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रीय एकता की शपथ लेते हुए देश की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा के लिए संकल्पित होने की शपथ ली। इस अवसर पर प्रांत अधिकारी श्री जिज्ञासा परमार, नगर पालिका अध्यक्ष धर्मेश पटेल, मुख्य अधिकारी मिलन पलसाना बारडोली एवं महुवा मामलतदार, पीआई श्री वी.ए.देसाई, पीएसआई मेहुल राठौड़ एवं डी.के.चौधरी सहित पुलिसकर्मी, नगरवासी, सामाजिक नेता, विद्यार्थी, सरदार प्रेमी उपस्थित थे इस अवसर पर उपस्थित थे.

## दिवाली उत्सव को ध्यान में रखते हुए, सूरत जिले के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने एक अधिसूचना के माध्यम से पटाखों की बिक्री और फोड़ने पर प्रतिबंध जारी किया

**सूरत।** सूरत जिले के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, विजय रबारी ने सूरत ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकार क्षेत्र (पुलिस आयुक्त, सूरत शहर के अधिकार क्षेत्र को छोड़कर) के भीतर कुछ क्षेत्रों में पटाखों की बिक्री और पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध जारी किया है। दिवाली उत्सव के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के समय-समय पर दिए गए निर्देशों के साथ।

अधिसूचना (1) के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने कम उत्सर्जन पैदा करने वाले हरे और प्रमाणित पटाखों के निर्माण और बिक्री की अनुमति दी है। इनके अलावा सभी तरह के पटाखों के निर्माण और बिक्री पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है.

(2) चूँकि तेज़ आवाज़ वाले पटाखे स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक होते हैं और बहुत अधिक वायु प्रदूषण और ठोस अपशिष्ट उत्पन्न करते हैं, इसलिए ऐसे निर्मित पटाखों पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रतिबंध लगा दिया गया है।

(3) पटाखे केवल लाइसेंस प्राप्त डीलरों द्वारा ही बेचे जाएंगे। इन व्यापारियों को सुप्रीम कोर्ट के आदेश दिनांक 23/10/2018 के अनुसार केवल अनुमोदित पटाखे ही बेचने होंगे।

(4) सभी ई-कॉमर्स वेबसाइटों को सभी प्रकार के पटाखे ऑनलाइन बेचने से प्रतिबंधित किया गया है।

(5) सुप्रीम कोर्ट ने पटाखे बनाने में बेरियम के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है.

(6) दिवाली और अन्य त्योहारों के दौरान जिनमें पटाखे फोड़े जाते हैं, पटाखे केवल रात 8 बजे से 10 बजे के बीच ही फोड़े जा सकते हैं. साथ ही क्रिसमस और नए साल के त्योहार के दौरान 23.55 बजे से 00.30 बजे तक ही पटाखे फोड़े जा सकेंगे.

(7) अस्पताल, नर्सिंग होम, स्वास्थ्य केंद्र, शैक्षणिक संस्थान, न्यायालय, धार्मिक स्थलों के 100 मीटर के दायरे के क्षेत्र को साइलेंट जोन माना जाएगा और वहां कोई पटाखे नहीं फोड़े जा सकेंगे.

(8) बाजार, सड़कें, गलियां, सार्वजनिक सड़कें, पेट्रोल पंप/सीएनजी पंप/एलपीजी/बॉटलिंग प्लान, एल.पीजी गैस भंडारण, गोदामों जहां अन्य ज्वलनशील पदार्थ रखे जाते हैं और हवाई अड्डों के पास पटाखे नहीं फोड़े जा सकते।

(9) किसी भी प्रकार का आकाश लालटेन (चीनी तुक्कल/आतिशबाज़ी गुब्बारा/रॉकेट) का निर्माण एवं विक्रय नहीं किया जायेगा और न ही किसी स्थान पर उड़ाया जायेगा।

यह निषेधाज्ञा दिनांक 29/10/2024 से 15/11/2024 एवं 25/12/2024 से 01/01/2025 (दोनों दिन सम्मिलित) तक प्रभावी रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने वालों को दंडित किया जाएगा।

## 'मेरा भारत मेरी दिवाली' के तहत 'स्वच्छता ही सेवा और यातायात जागरूकता' कार्यक्रम का आयोजन

सूरत। केंद्र सरकार के खेल एवं युवा कार्यक्रम मंत्रालय के नेहरू युवा केंद्र-सूरत और मेरा भारत-सूरत की पहल पर च्मेरा भारत मेरी दिवालीज के तहत 26 से 31 अक्टूबर तक। च्स्वच्छता ही सेवा एवं यातायात जागरूकताज कार्यक्रम अब तक मनाया जा रहा है, जिसमें सूरत के लोगों को वराछा-मिनी बाजार, एके रोड के साथ-साथ अडाजण के बड़े वराछा-सुदामा चौक और ऋषभ सर्कल में स्वच्छता और यातायात सुरक्षा के बारे में जागरूक किया गया। क्षेत्र,रामनगर चौक पर युवा साथियों ने सफाई अभियान चलाया और लोगों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

इस कार्यक्रम में सूरत नगर निगम और यातायात विभाग ने भी सहयोग किया. एनवाईके के जिला युवा अधिकारी श्री सचिन शर्मा के मार्गदर्शन में, एम्स यूथ ग्रुप के अध्यक्ष मेहुल डोंगा, रिवोल्यूशन ग्रुप के युवा मित्र और एनवाईके के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक गौरव पदया, बिजूल रैयानी, मंथन मवानी, श्रद्धा वाग्गू ने कार्यक्रम को बनाने के लिए कड़ी मेहनत की।

## ग्रीनमैन विरल देसाई ने टाटा एग्जिक्यूटिव्स को क्लाइमेट एक्शन के लिए प्रेरित किया

सुरत भुमि, सूरत। देश के विख्यात पर्यावरणविद् और ग्रीनमैन के तौर पर अपनी पहचान बना चुके विरल देसाई ने हाल ही में टाटा स्टील और टाटा पाइप्स के एग्जिक्यूटिव्स को संबोधित करते हुए क्लाइमेट एक्शन की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। इस मौके पर उन्होंने देशभर के हजारों टाटा कर्मचारियों को संबोधित किया। विरल देसाई ने 'सीएसआर यानी कलेक्टिव सस्टेनेबल रिस्पॉन्सिबिलिटी' शीर्षक से अपने संबोधन में दुनिया पर पड़ रहे जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणामों और इससे बचने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने रतन टाटा को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, 'टाटा जैसे महान समूह के अधिकारियों को संबोधित करना मेरे लिए एक रोमांचकारी अनुभव था। जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर मुद्दे पर बोलना मेरी जिम्मेदारी है।'

विरल देसाई ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि जलवायु परिवर्तन न केवल एक पर्यावरणीय समस्या है, बल्कि हमारी भावी पीढ़ी के लिए एक बड़ा खतरा है। इस समस्या से निपटने के लिए हम सभी को मिलकर काम करना चाहिएज इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जलवायु परिवर्तन केवल सरकारों, गैर सरकारी संगठनों या कॉरपोरेट्स की जिम्मेदारी नहीं है। यह सभी लोगों की जिम्मेदारी है। गौरतलब है कि विरल देसाई इससे पहले TEDEX जैसे मंचों या दुबई जैसे शहरों में भी क्लाइमेट एक्शन पर अपने विचार पेश कर चुके हैं।

**सुरत भुमि, सूरत। सूरत कपड़ा बाज़ार में दीपावली की पूजा धनतेरस से ही शुरू हो जाती है। रिंग रोड़ स्थित अभिषेक मार्केट में एक प्रतिष्ठान पर सपरिवार पूजा करते व्यापारी। धनतेरस के मौके पर अनेकों दुकानों में मंगलवार को सुबह से ही पूजा शुरू हुई जो देर रात तक चलती रहीं।**

## स्टार एयर ने कॉल्हापुर और अहमदाबाद के बीच सीधी उड़ानें शुरू की

क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, स्टार एयर ने 28 अक्टूबर 2024 से कॉल्हापुर और अहमदाबाद के बीच नई सीधी उड़ानें शुरू करने की घोषणा की है। यह रणनीतिक विस्तार स्टार एयर के प्रयासों का हिस्सा है, जो यात्रा को अधिक सुलभ, सुविधाजनक और किफायती बनाने के लिए समर्पित है। नई कॉल्हापुर-अहमदाबाद मार्ग व्यापारियों, पर्यटकों और तीर्थयात्रियों जैसे विभिन्न यात्रियों को लाभ पहुंचाएगा, यात्रा के समय को कम करेगा और क्षेत्रीय व्यापार, वाणिज्य और पर्यटन को बढ़ावा देगा। यह सेवा उन क्षेत्रों को जोड़ने के स्टार एयर के संकल्प को दर्शाती है जो प्रमुख शहरी केंद्रों से अछूत हैं।

"हम इस नए मार्ग की शुरुआत करने के लिए उत्साहित हैं, जो हमारी क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है," कहा कैप्टन सिमरन सिंह तिवाना, स्टार एयर के CEO "कॉल्हापुर और अहमदाबाद दोनों ही सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध शहर हैं, जिनका आर्थिक महत्व बढ़ रहा है। यह उड़ान न केवल यात्रा को सुगम बनाएगी बल्कि दोनों क्षेत्रों में आर्थिक विकास और पर्यटन को भी बढ़ावा देगी।"

यात्री आज से इस नए मार्ग के लिए टिकट बुकिंग शुरू कर सकते हैं, जो कि स्टार एयर की आधिकारिक वेबसाइट www.starair.in पर उपलब्ध हैं। इसके अलावा, एयरलाइन शुरुआती बुकिंग के लिए आकर्षक उद्घाटन दर भी प्रदान कर रही है।

## गो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने विश्व स्ट्रोक दिवस के उपलक्ष्य में स्ट्रोक की वजह से होने वाले पैरालिसिस को ठीक करने के लिए समय पर कार्रवाई की हिमायत की

**अहमदाबाद।** मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने विश्व स्ट्रोक दिवस के उपलक्ष्य में स्ट्रोक के मरीजों के लिए समय पर कार्रवाई की हिमायत की, ताकि इस बारे में लोगों के बीच जागरूकता फैलाई जा सके कि ऐसे मरीजों के इलाज के लिए तुरंत और समय पर कदम उठाने से ज्यादा -से-ज यादा लोगों को विकलांगता से बचाना संभव है। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, अहमदाबाद में सीनियर कंसल्टेंट न्यूरोसर्जन, डॉ. मुकेश शर्मा इस अस्पताल में न्यूरोसाइंसेज विभाग की कमान संभाल रहे हैं।

स्ट्रोक के ज्यादातर मरीज इसके शुरुआती लक्षणों का अनुभव करते हैं, लेकिन वे इस पर कभी गंभीरता से ध्यान नहीं देते हैं। स्ट्रोक मुख्य रूप से दो प्रकार होते हैं। पहले है इस्केमिक स्ट्रोक, जिसमें खून के थक्के, यानी थ्रोम्बस का निर्माण होता है जो आर्टरी में रुकावट डालते हैं। हेमरैजिक स्ट्रोक इसका दूसरा प्रकार है, जिसमें मस्तिष्क के भीतर मौजूद ब्लड वेसल्स से खून का बहाव अनियंत्रित हो जाता है। इन दिनों युवाओं में भी स्ट्रोक के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। 18 से 44 साल की उम्र के लोगों में स्ट्रोक के मामलों में 14.6त्न की बढ़ोतरी हुई है; 45 से 64 साल की उम्र के लोगों में इसकी मामलों में 15.7त्न की वृद्धि हुई है। समय से पहले होने वाले एथेरोस्क्लेरोसिस में, खासकर युवाओं में इसके मामलों में भी बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिसमें ब्लड वेसल्स सख्त हो जाते हैं और उनमें रुकावट आ जाती है। वास्तव में, इस उम्र के लोगों में वैस्कुलर, यानी रक्त-वाहिकाओं से जुड़े जोखिम कारकों में वृद्धि ही इसके मामलों में बढ़ोतरी का मुख्य कारण है।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, अहमदाबाद में सीनियर कंसल्टेंट न्यूरोसर्जन, डॉ. मुकेश शर्मा ने स्ट्रोक की गंभीरता और समय पर कार्रवाई से गंभीर परिणामों की रोकथाम के बारे में बताते हुए कहा, "हम युवाओं में स्ट्रोक के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देख रहे हैं जो न्यूरोलॉजिस्ट होने के नाते बड़ी चिंता की बात है। यह प्रवृत्ति काफी गंभीर है, जो कुछ दशक पहले तक हमारी सोच से भी परे था। लंबे समय तक बैठकर काम करने की आदत, तनाव के बढ़ते स्तर, धूम्रपान और खान-पान के विकल्पों को अपनाने के चलते हाइपरटेंशन, डायबिटीज और हाइ-कोलेस्ट्रॉल की समस्या उत्पन्न हो रही है। पारंपरिक तौर पर इन सभी को बुजुर्गों से जुड़ी बीमारी माना जाता था, लेकिन अब 30 और 40 की उम्र के युवा भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। यह बदलाव हमें एहतियाती उपायों को अपनाने की जरूरत के बारे में बताता है, जिनमें नियमित रूप से सेहत की जाँच, बेहतर लाइफस्टाइल के विकल्प और स्ट्रोक के लक्षणों के बारे में अधिक जागरूकता शामिल है। चेतावनी के संकेतों को समय रहते पहचानने और उसकी रोकथाम के लिए कदम उठाने से युवाओं में स्ट्रोक के जोखिम और इसके प्रभाव को काफी हद तक कम कर सकता है। सचमुच यह प्रवृत्ति बड़ी खतरनाक है, जिसे बदलने में सेहतमंद लाइफस्टाइल के लिए एकजुट होकर की जाने वाली कोशिशें बेहद अहम साबित हो सकती हैं।"

स्ट्रोक के इलाज के लिए वेगस नर्व सिमुलेशन सबसे नई स्वीकृत तकनीक है, जो स्ट्रोक के बाद मोटर स्किल्स को जल्दी ठीक करने, यानी शरीर को पहले की तरह काम-काज करने में सक्षम बनाने में मददगार है। यह इसके उपचार का बिल्कुल नया तरीका है, जिससे कई मरीजों के मन में नई आस जगी है। चिकित्सकीय रूप से देखा जाए, तो इस तकनीक से मोटर स्कोर और ऊपरी अंग की ताकत में काफी वृद्धि हो सकती है।

डॉ. मुकेश शर्मा ने आगे कहा, च्मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने गुजरात में पहली बार 45 क्लिनिकल चिकित्सकों के साथ जानकारी के आदान-प्रदान की पहल के रूप में स्ट्रोकोलॉजिस्ट कार्यक्रम की शुरुआत की, ताकि डॉक्टरों के समुदाय के नेटवर्क में स्ट्रोक के उपचार के स्तर को और बेहतर बनाया जा सके। हमने इस कार्यक्रम के तहत पूरे भारत में 5000 डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा है, ताकि स्ट्रोक के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके और स्ट्रोक के कारण होने वाली मौतों को टालकर ज्यादा -से-ज यादा लोगों की जान बचाई जा सके।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत ( गुजरात ) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ ( गुजरात ) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत ( गुजरात ) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, ( न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा )